आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शनिवार 09 मई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 165
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

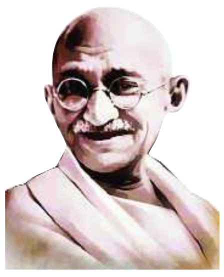

राष्ट्रपिता को नमन...

स्वच्छता के बाद अब जल संरक्षण की बारी

अक्षय की बात
अपनों के साथ

देश में लगातार सात बार स्वच्छता में नंबर-1 बनकर इंदौर ने यह साबित किया है कि यदि जनभागीदारी और प्रशासनिक इच्छाशक्ति साथ हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। अब समय आ गया है कि इंदौर एक नई चुनौती की ओर ध्यान दे- गिरते भू-जल स्तर को रोकने और जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की।

पिछले कुछ वर्षों में इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में भू-जल स्तर तेजी से नीचे गया है। लगातार बढ़ती आबादी, कंक्रीट के जंगल, वर्षा जल का उचित संचयन न होना और पानी का अत्यधिक दोहन इसके प्रमुख कारण हैं। स्थिति यह है कि कई क्षेत्रों में हर साल बोरवेल और अधिक गहरे खोदने पड़ रहे हैं। यदि यही हाल रहा तो आने वाले वर्षों में जल संकट गंभीर रूप ले सकता है।

जिस तरह इंदौरवासियों ने स्वच्छता को अपनी आदत बनाया, उसी तरह जल संरक्षण को भी जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। केवल प्रशासनिक योजनाएं पर्याप्त नहीं होंगी, जब तक आम नागरिक इसमें सहभागी नहीं बनेंगे। हर घर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य करने, पुराने तालाबों और बावड़ियों को पुनर्जीवित करने तथा वर्षा जल को जमीन में उतारने के प्रयास तेज करने होंगे।

स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संस्थाओं को भी जल जागरूकता अभियान से जोड़ना होगा। बच्चों और युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि पानी केवल संसाधन नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा है। जिस शहर ने सफाई में पूरे देश को दिशा दिखाई, वही शहर जल संरक्षण में भी मिसाल बन सकता है।

आज जरूरत केवल योजनाओं की नहीं, बल्कि मानसिकता बदलने की है। पानी का सीमित उपयोग, व्यर्थ बहाव रोकना और वर्षा जल को सहेजना हर नागरिक की जिम्मेदारी बननी चाहिए। यदि अभी से गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियां पानी के लिए संघर्ष करती नजर आएंगी।

इंदौर ने स्वच्छता में इतिहास रचा है, अब जल संरक्षण में भी नया अध्याय लिखने का समय है।

वंदे मातरम् विवाद : पार्षदों को राहत, चिंटू पर सवाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर नगर निगम के वंदे मातरम् विवाद में कांग्रेस जांच कमेटी की रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में पार्षद फौजिया और रुबीना को राहत मिलने के संकेत हैं। जबकि शहराध्यक्ष चिंटू चौकसे की कार्यशैली और बयानबाजी पर सवाल उठाए गए हैं। इंदौर नगर निगम के बजट सत्र में हुए वंदे मातरम् विवाद में कांग्रेस की कमेटी की जांच पूरी हो गई है। सूत्रों के अनुसार कमेटी ने यह रिपोर्ट मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी को सीधे दी है। इसमें दोनों महिला पार्षदों को राहत मिलने की बात है।

पार्षद रुबीना खान का बयान- इंदौर नगर निगम के बजट सत्र में 8 अप्रैल को कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम ने वंदे मातरम् गाने से इंकार कर दिया था। इस विवाद को और तूल तब मिला, जब पार्षद रुबीना खान ने कह दिया कि, किसी के बाप में दम नहीं कि वह जबरदस्ती वंदे मातरम् बुलवा सके। कांग्रेस जाए भाड़ में। वहीं शहराध्यक्ष चिंटू चौकसे ने कहा था कि वंदे मातरम् तो गाना होगा। कांग्रेस के हर कार्यक्रम में अनिवार्य होगा। रुबीना अब खुद को कांग्रेस से निष्कासित माने। इस विवाद में मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने सह प्रभारी संजय दत्त और एआईसीसी सचिव उषा नायडू की दो सदस्यीय कमेटी बनाई थी। अब इस कमेटी ने रिपोर्ट दे दी है।

क्या है कमेटी की रिपोर्ट में- सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कमेटी की रिपोर्ट में सीधे तौर पर किसी कार्रवाई की अनुशंसा नहीं है। घटनाक्रम को लेकर कमेटी ने देवास में बुलाकर सात लोगों के बयान लिए गए थे। इसमें कमेटी ने माना कि पार्षदों ने गलती की है, लेकिन फौजिया ने बाद में इस पर कुछ नहीं कहा था। रुबीना ने अपने बयान के लिए पहले ही माफी मांग ली है। जानकारी के अनुसार कमेटी ने दोनों ही पार्षदों पर कठोर कार्रवाई जैसी कोई बात नहीं कही है।

कमेटी की रिपोर्ट पर क्या होगा- माना जा रहा है कि कांग्रेस अब इस मुद्दे को ठंडा करने में ही लगी है। कोई तूल नहीं देना चाहती है। कारण है कि इससे उनके एक मजबूत वोट बैंक मुस्लिम में सेंध लगने का खतरा है। पहले ही पार्टी के अंदर हिंदू और मुस्लिम पार्षदों के बीच इस विवाद के बाद खाई पैदा हो गई है। इस मामले की शिकायत इंदौर से ही कुछ राष्ट्रीय नेताओं को की गई है। कांग्रेस के आधे से ज्यादा पार्षद मुस्लिम हैं।

ऐसे में अब मामले को तूल देने की जगह ठंडा किया जा रहा है। इस मामले में अब फैसला प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी को लेना है। हालांकि प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का दखल रहेगा और क्योंकि चिंटू उनके करीबी हैं, तो उन्हें भी राहत मिलने की संभावना है। हालांकि राष्ट्रीय नेता चिंटू से नाराज हैं।

चिंटू की कार्यशैली पर सवाल

कमेटी ने इस मामले में शहराध्यक्ष चिंटू चौकसे की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। कमेटी ने कहा है कि इस मामले में चौकसे ने जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया दी थी। साथ ही सार्वजनिक बयानबाजी की, जो पार्टी के लिए उचित नहीं थी। वंदे मातरम् को हर कार्यक्रम में अनिवार्य करने जैसी बातें कहने की जरूरत नहीं थी। उन्होंने अपने ही स्तर पर रुबीना को पार्टी से निष्कासित बता दिया जो सही नहीं था। इस मामले को और बेहतर तरीके से संभाला जा सकता था। कमेटी ने इस मामले में नेताओं के बयानों को भी उचित नहीं माना।

महा प्रशिक्षण अभियान से पहले

आईडीए और बीडीए में नियुक्तियों को मिलेगी हरी झंडी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश में निगम मंडल, आयोग, बोर्ड और प्राधिकरणों में शासन अब तक 5 दर्जन से अधिक नियुक्तियां कर चुका है। भोपाल और इंदौर विकास प्राधिकरण सहित पर्यटन और माइनिंग कॉर्पोरेशन आदि के लिए नामों पर सहमति बनाने की कवायद चल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दिल्ली यात्रा के बाद ऐसी संभावना जताई जा रही है कि 2-3 दिन बाद इन संस्थाओं में ताजपोशी की हरी झंडी हो जाएगी।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि 15 मई के बाद संगठन का महा प्रशिक्षण अभियान जोर पकड़ेगा। इसलिए उसके पहले इन नियुक्तियों की सूची निकालने की तैयारी है। सत्ता-संगठन के प्रमुख नेताओं के बीच कई दौर की चर्चा हो चुकी है। प्राधिकरणों के साथ ही प्रदेश के सभी 16 नगर निगमों में तैनात किए जाने वाले एल्डरमैन के नाम भी लंबे समय से अटके हुए हैं। बताया जाता है कि इन नामों को लेकर क्षेत्रीय नेताओं के बीच सहमति नहीं बन पा रही। इसके अलावा इन नगरीय निकायों में तकनीकी तौर पर अब एक साल से भी कम समय का कार्यकाल बचा है। इसलिए भी संगठन के सामने तालमेल नहीं बन पा रहा।

ग्वालियर, जबलपुर, विंध्य और उज्जैन जैसे बड़े शहरों सहित 10 विकास प्राधिकरणों में अध्यक्ष व सदस्यों की ताजपोशी हो चुकी है। लेकिन राजधानी भोपाल और इंदौर की नियुक्ति होल्ड पर है। ऐसा माना जा रहा है कि इंदौर में हरिनारायण यादव और भोपाल में चेतन सिंह व जगदीश यादव के नाम की चर्चा हुई है। लेकिन क्षेत्र के बड़े नेताओं के बीच सहमति नहीं बन पाई।

बीजेपी का नवाचार

बैठक और कार्यक्रम की सूचना वाट्सऐप के बजाए फोन पर मिलेगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • भाजपा में बैठक व अन्य आयोजनों की सूचना वाट्सऐप पर डालकर जिम्मेदार इतिश्री कर लेते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। शीर्ष नेतृत्व ने साफ कर दिया है कि कोई भी कार्यक्रम हो उसकी जानकारी फोन लगाकर दी जाएगी। यहां तक कि पैमाना भी तय किया गया है कि कौन किसको फोन लगाएगा। पार्टी का मानना है कि वरिष्ठें के लिए कार्यकर्ताओं में सम्मान का भाव जरूरी है।

भाजपा नेतृत्व ने संगठनात्मक कसावट और कार्यकर्ताओं में परिवार भाव बनाए रखने के लिए हर माह विभिन्न स्तर की बैठकों का फॉर्मूला दिया है। 1 से 6 तारीख के बीच जिला, 7 से 11 मंडल और 11 से 15 मोर्चा-प्रकोष्ठ और 21 से 25 के बीच बूथों की बैठकें होंगी। इंदौर नगर में मंडल स्तर की बैठकों का दौर आज खत्म हो जाएगा। बड़ी बात ये है कि सभी मंडलों में नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा व उनके कुछ प्रमुख पदाधिकारी जा रहे है। बैठकों में नगर से राष्ट्रीय पदाधिकारी, मोर्चा प्रकोष्ठ के नेता, मंडल अध्यक्ष से पदाधिकारी, मंडल व शक्ति केंद्र प्रभारी और वार्ड संयोजक व पालकों को बुलाया गया।

पार्टी ने जारी किया निर्देश- बैठक में मंडल अध्यक्ष व उनकी टीम को निर्देश दिए गए कि अब बैठक हो या अन्य आयोजन की सूचना सोशल मीडिया वानी वाट्सऐप पर नहीं होगी। अब सभी को सूचना फोन लगाकर देना होगी।

फिर तपने लगा शहर... अगले हफ्ते 43 डिग्री तक पहुंच सकता है पारा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में एक बार फिर गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। पिछले कुछ दिनों की राहत के बाद अब तापमान तेजी से बढ़ रहा है। कल दिन और रात दोनों के तापमान में बड़ा उछाल दर्ज किया गया, जिससे लोगों को तीखी गर्मी का एहसास हुआ। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में गर्मी का असर और बढ़ेगा तथा अगले सप्ताह तापमान 43 डिग्री आने वाले दिनों में लगातार सेल्सियस तक पहुंच सकता है। शहर का अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले की तुलना में करीब 2 डिग्री अधिक रहा, वहीं न्यूनतम तापमान 26.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

ओटीपी के डर से प्रगणकों को नहीं दे रहे हैं जानकारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • जनगणना के बीच प्रगणकों को कई परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। कई लोग प्रगणकों को जनगणना से जुड़ी जानकारी नहीं दे रहे हैं। सामने आया है कि ओटीपी (वन टाइम पॉसवर्ड) से लोगों को ठगी का डर भी है। वहीं, किराएदारों की जानकारी देने पर वे इनकम टैक्स के दायरे में आ सकते हैं? हालांकि, प्रगणक शहरवासियों को समझा रहे हैं कि ऐसा कुछ नहीं है। इसे लेकर नगर निगम ने भी स्पष्ट किया है कि जनगणना देश का बहुत बड़ा महाअभियान है, जो लोगों के सहयोग के बिना नहीं कर सकते। प्रगणक यदि आपके घर आ रहे हैं, उन्हें सही जवाब दें। प्रश्न बहुत आसान है। चिंता न करें, कोई ओटीपी नहीं लिया जा रहा है। हां, मोबाइल नंबर जरूर मांगा जा रहा है। ताकि एसएमएस के जरिए ही गणना की जानकारी मिल सके। जनगणना को लेकर प्रगणकों की हर रोज बैठकें भी ले रहे हैं।

शिकायत प्रबंधक के अभद्र व्यवहार को लेकर प्रशासन हुआ सख्त

हरकत में आया प्रशासन, प्रबंधन पर गिरेगी गाज!

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

समीपवर्ती ग्राम छोटी कलमेर में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी केंद्र में व्याप्त अव्यवस्थाओं और भ्रष्टाचार की शिकायतों के बाद आखिरकार प्रशासन की नींद खुली है। शुक्रवार को खाद्य आपूर्ति विभाग और इंदौर प्रीमियर ऑपरेटिव बैंक देपालपुर के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और किसानों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

5 दिन बाद सुध लेने पहुंचे अधिकारी : छोटी कलमेर खरीदी केंद्र पर व्याप्त अव्यवस्थाओं, पीने के पानी की कमी और बैठने के लिए छांव की व्यवस्था न होने को लेकर किसानों ने 4 मई को इंदौर कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपी थी। शिकायत के 5 दिन बीत जाने के बाद शुक्रवार को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी राहुल शर्मा और इंदौर प्रीमियर ऑपरेटिव बैंक देपालपुर के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने वहां मौजूद किसानों की समस्याएं सुनीं और पंचनामा तैयार किया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने किसानों को आश्वस्त किया है कि जल्द ही पेयजल और छांव जैसी मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त की जाएंगी। साथ ही, इंदौर प्रीमियर ऑपरेटिव बैंक देपालपुर और कनिष्ठ विभाग के अधिकारियों ने प्रबंधक के खिलाफ मिली शिकायतों की जांच कर कठोर विभागीय कार्यवाही की बात कही है। अधिकारियों ने प्राथमिकता के आधार पर लंबित तुलाई कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए हैं।

किसान परेशान, प्रबंधक की बदसलूकी से आक्रोश

खबर वह जिसका हो असर

प्रशासन को अल्टीमेटम

किसानों ने स्पष्ट किया है कि यदि दोषी प्रबंधक पर तत्काल कार्रवाई नहीं हुई और तौल के लिए कांटों की संख्या नहीं बढ़ाई गई, तो आगामी ऋण वितरण और उपार्जन कार्य को ठप कर दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

प्रबंधक पर गंभीर आरोप : 8 दिन से तुलाई का इंतजार : किसानों ने सोसाइटी के प्रबंधक जगदीश चौधरी पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि वे किसानों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं और तुलाई कार्य में भारी लापरवाही बरत रहे हैं। किसानों का कहना है कि वे 30 अप्रैल से अपनी फसल बेचने के लिए कतार में खड़े हैं।आज 8 मई तक उनकी फसल की तुलाई नहीं हो पाई है।यदि आज तुलाई नहीं हुई, तो उनका स्लॉट कैंसिल हो जाएगा, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। हम तपती धूप में 8 दिनों से अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन प्रबंधक का रवैया तानाशाही पूर्ण है। न यहाँ पानी की व्यवस्था है और न ही बैठने की जगह भी नहीं है।

इनका कहना है

आज मैं टीम के साथ मोके पर पंहुचा था और किसानों को आने वाली समस्या का जायजा लिया और पंचनामा बनाकर देपालपुर अनुविभागीय अधिकारी प्रदीप सोनी को सौप दिया है। **- राहुल शर्मा,** कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, देपालपुर

आज प्रोजेक्ट 'एम' की लॉन्चिंग, कांग्रेस ने बनाई माइनॉरिटी महिलाओं की फोर्स

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्य प्रदेश में लंबे समय से सत्ता से दूर कांग्रेस ने अब अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए अलग संगठनात्मक फोर्स तैयार की है। पिछले सात महीनों से कांग्रेस में आंतरिक स्तर पर इस रणनीति पर काम चल रहा था। राज्य स्तर पर करीब 160 महिलाओं का एक समूह तैयार किया गया है। यह समूह पूरे प्रदेश में अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं को कांग्रेस से जोड़ने का काम करेगा।

कांग्रेस ने अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं को पार्टी से जोड़ने की इस पहल को 'प्रोजेक्ट एम' नाम दिया है। इस प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग शनिवार को पीसीसी चीफ जीतू पटवारी करेंगे। करीब तीन घंटे तक चलने वाले अलग-अलग सत्रों में महिलाओं को पूरे प्रोजेक्ट और इसकी रणनीति की जानकारी दी जाएगी। कांग्रेस का मानना है कि आमतौर पर अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं की राजनीति में भागीदारी काफी कम रहती है। चुनिंदा परिवारों की महिलाएं ही सक्रिय राजनीति में नजर आती हैं। ऐसे में प्रोजेक्ट एम से जुड़ने वाली महिलाओं की भूमिका अलग रखी गई है। प्रोजेक्ट एम की सदस्य महिलाएं कांग्रेस के धरना, प्रदर्शन और आंदोलन जैसे भीड़भाड़ वाले कार्यक्रमों में शामिल नहीं होंगी। इसके बजाय वे अपने-अपने समुदाय की अन्य महिलाओं को कांग्रेस से जोड़ने और राजनीतिक भागीदारी के लिए प्रेरित करने का काम करेंगी। प्रोजेक्ट एम से जुड़ने वाली महिलाओं का प्रदर्शन अच्छा रहने पर उन्हें अगले साल होने वाले नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने का मौका भी दिया जा सकता है। महिलाओं को उनकी क्षमता और रुचि के आधार पर पार्टी में आगे जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। एमपी कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले ने बताया कि प्रोजेक्ट एम, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी का विशेष मिशन है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी लगातार महिलाओं को संविधान के अनुरूप सम्मान और उचित स्थान देने की बात करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि अलग-अलग समाजों के साथ काम करने की योजना पर करीब छह महीने पहले काम शुरू किया गया था।

आरएसएस की तर्ज पर संदेश पहुंचाने का काम

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पार्टी एक धर्मनिरपेक्ष दल है, इसलिए सभी वर्गों का जुड़ाव कांग्रेस से अधिक रहा है। उनका मानना है कि भाजपा की विचारधारा में अल्पसंख्यक वर्ग के लोग खुद को सहज महसूस नहीं करते। ऐसे में कांग्रेस अल्पसंख्यक महिलाओं को एक ऐसा मंच दे रही है, जहां वे जुड़कर राजनीति में अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता दिखा सकें।

न्यूज ब्रीफ

शासकीय कॉलेज की भूमि कराई अतिक्रमण मुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में जिले में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में आज ग्राम कम्पेल एवं पिवडाय में शासकीय कॉलेज के लिए आवंटित भूमि पर से अतिक्रमण हटाकर संबंधित कॉलेज प्रशासन को कब्जा दिलाया गया। यह कार्रवाई एसडीएम श्रीमती प्रियंका चौरसिया के निर्देशन में जिला प्रशासन एवं पुलिस के संयुक्त दल द्वारा की गई। एसडीएम श्रीमती चौरसिया ने बताया कि संबंधित भूमि शासकीय कॉलेज के लिए आवंटित की गई थी, जिस पर कुछ लोगों द्वारा फसल बुवाई कर अवैध कब्जा कर लिया गया था। प्रशासन द्वारा आज मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में आज कलेक्टर कार्यालय स्थित सभाकक्ष में अपर कलेक्टर पवार नवजीवन विजय द्वारा खाद्य सुरक्षा प्रशासन इंदौर की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्य सुरक्षा प्रशासन में पदस्थ सभी खाद्य सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वर्ष 2025-26 में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई, नमूना संग्रहण, न्यायालयीन प्रकरणों की स्थिति तथा प्रवर्तन संबंधी कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। अपर कलेक्टर श्रपवार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी बैठक में यह प्रमाणित विवरण प्रस्तुत किया जाए कि अब तक कितने प्रकरण माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किए जा चुके हैं तथा कितने प्रकरण लंबित हैं।

महाविद्यालय में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय किलाभवन इंदौर में अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण एवं योजना प्रभारी डॉ. शीतल झा के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें उद्योगों एवं संस्थानों में उपलब्ध इंटर्नशिप अवसरों से परिचित कराना है। कार्यक्रम में छात्राओं को योजना की रूपरेखा, उद्देश्य, पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, प्रोफ़ाइल निर्माण एवं इंटर्नशिप आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

जाति अत्याचार निवारण का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज यहां अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, राहत राशि वितरण तथा लंबित प्रकरणों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई।

आधी रात घर पहुंची पुलिस, 'समझौता करो वरना केस होगा'

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इन दिनों शायद इंदौर पुलिस की साढ़े साती चल रही हैं। क्योंकि पहले लसूड़ीया थाने में एक रिटायर पुलिस अधिकारी के कहने पर एक वारंट तामिल करवाने के लिए घर के बाहर पहुचे पुलिस जवान का जो वीडियो वाइरल हुआ जिसने इंदौर पुलिस छवि को पूरी तरह से धूमिल कर दिया लेकिन आज कल वही पैतरा बाणगंगा पुलिस भी अपना रही हैं। घर बाहर घंटों खड़े रह कर अपना काम करवाने की युक्ति समझ से पूरी तरह से परे हैं। लेकिन जब घटना सीसीटीवी में कैद होतो किसी को कुछ भी कहने की व बताने की जरूरत नहीं हैं।

कई घंटे घर के बाहर खड़े होकर चले गए 4 पुलिस जवान–बाणगंगा क्षेत्र के रहने वाले 64 वर्षीय जसराज मेहता ने पुलिस पर परेशान करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने अपने वकील के जरिए पुलिस कमिश्नर और डीसीपी जोन-3 को नोटिस भेजकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की थी लेकिन जब समसस्या का कोई हल नहीं निकला तो फरियादी ने हाई कोर्ट की शरण ली हैं। जसराज मेहता का कहना है कि कुछ लोगों ने उनके खिलाफ झूठी शिकायत की है। शिकायत में अवैध कॉलोनाइजेशन का आरोप लगाया गया है, जबकि उनका कहना है कि बाणगंगा क्षेत्र में उनके नाम कोई जमीन ही नहीं है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बयान के लिए उन्हें कई बार थाने बुलाया। वे तीन बार थाने पहुंचे, लेकिन उनका बयान दर्ज नहीं किया गया। उनका आरोप है कि इस दौरान उन पर दबाव बनाया गया और मानसिक रूप से परेशान किया गया।

घर में अंदर घुस कर भी देखता पुलिस जवान

जसराज मेहता ने यह भी कहा कि कई बार मांगने के बावजूद उन्हें शिकायत की कॉपी नहीं दी गई। इससे उन्हें यह तक पता नहीं चल पाया कि आखिर उन पर क्या आरोप लगाए गए हैं। नोटिस में कुछ लोगों के नाम लेते हुए आरोप लगाया गया है कि वे पुलिस के साथ मिलकर उन्हें परेशान कर रहे हैं। वहीं थाना बाणगंगा के कुछ पुलिसकर्मियों पर भी पक्षपात करने के आरोप लगाए गए हैं।

बेटी के प्लॉट पर अवैध कब्जा–जसराज मेहता ने यह भी दावा किया है कि उनकी बेटी के प्लॉट पर अवैध कब्जा किया गया है। इस मामले में वे अलग से कानूनी कार्रवाई करने की बात कह रहे हैं। वकील की ओर से भेजे गए नोटिस में मांग की गई है कि पूरे मामले की जांच किसी वरिष्ठ अधिकारी को सौंपी जाए।

जिला प्रशासन और आरटीओ की संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई

- यात्रियों की सुरक्षा के लिए यात्री बसों की गई सघन जांच
- अनियमितताएं और लापरवाही पाये जाने पर 07 बसों के फिटनेस निरस्त-पांच बसें जप्त
- पांच लाख रुपये से अधिक का लगाया गया जुर्माना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में आज जिला प्रशासन और आरटीओ की संयुक्त टीम ने मुहिम चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। इस मुहिम के तहत आज अनेक यात्री बसों की आकस्मिक जांच की गई। जांच के दौरान अनिइयमितताएं और लापरवाही पाये जाने पर 7 बसों की फिटनेस निरस्त किए गए। पांच बसें जप्त की गई और पांच लाख रुपये से अधिक की राशि वसूल की गई।

कलेक्टर के निर्देश पर यह कार्रवाई एसडीएम घनश्याम धनगर और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन और आरटीओ के संयुक्त टीम ने की। मुहिम में बसों में इमरजेंसी एग्जिट, फायर सेफ्टी सिस्टम, आपातकाल में सुगम निकास व्यवस्था की जांच की गई। इंदौर शहर में लोक परिवहन वाहनों, बसों, स्कूल वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर एचएसआरपी नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों के साथ ही, विशेष रूप से स्कूल, कॉलेज के वाहनों की सघन जाँच की जा रही है।

मांगलिया, महालक्ष्मी क्षेत्र की पच्चीस कॉलोनियों के लिए दो उच्चदाब लाइनें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) अंतर्गत मांगलिया, महालक्ष्मी बिजली जोन क्षेत्र की पच्चीस कॉलोनियों की पच्चीस हजार आबादी के लिए दोहरी 33 केवी उच्चदाब बिजली लाइन का इंतजाम किया जा रहा है। मांगलिया स्थित कृषि उपज मंडी के समीप पोल लगाने का कार्य शुक्रवार को किया गया। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के शहर वृत्त अधीक्षण अभियंता डीके गाठे ने बताया कि कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर मांगलिया अर्बन बिजली जोन, महालक्ष्मी बिजली जोन क्षेत्र में नई 33 केवी 6 किमी लंबी उच्चदाब लाइन मांगलिया-सांवेर रोड से कैलोद हाला तक स्थापित की जा रही है। वर्तमान में इस क्षेत्र में एक लाइन थी, जिसमें तकनीकी दिक्कन आने पर कई बार बिजली बंद होने की स्थिति निर्मित हो जाती थी। अब नई लाइन डालने से इस पूरे क्षेत्र में दो 220 ग्रिड जैतपुरा उज्जैन रोड एवं 220 मांगलिया से पृथक 33 केवी विशेष लाइनों का इंतजाम हो जाएगा। यह पूरा कार्य दो सप्ताह मे पूरा करने की तैयारी के साथ कार्मिक लगाए गए हैं।

भाजपा के कार्यकर्ताओं की प्रमाणिकता होती है- रावत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • आज शाम भाजपा कार्यालय पर मंत्री तुलसीराम सिलावट, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, जिला प्रभारी राजेश सिंह सोलंकी, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मालिनी गौड, मधु वर्मा, मनोज पटेल, गोपीकृष्ण नेमा, सुदर्शन गुप्ता, अजा मोर्चा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सूरज कैरो, खेल प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मानसिंह यादव, शिक्षक प्रकोष्ठ संयोजक महेश पालीवाल की उपस्थिति में मासिक बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत ने 3 राज्यों में भाजपा की एतिहासिक जीत की बधाई देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल के कार्यकर्ताओं को नमन करता हूँ जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भी भाजपा का ध्वज थामें रखा। उन्होंने कहा कि हमारे संगठन की कार्यपद्धति का महत्त्वपूर्ण अंग है बैठकें, बैठकों के माध्यम से हम योजना बनाते है, चर्चा करते हैं, कार्यक्रम बनाते है, सामुहिक निर्णय लेकर कार्य करते हैं, इसलिए अपेक्षित कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के निर्देशानुसार आहूत की गयी है। उन्होंने कहा मंडल बैठक का एजेंडा तय होना चाहिए, सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होना चाहिए।

रावत ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता की प्रामाणिकता होती है, क्योंकि जो कार्य केंद्र एवं प्रदेश संगठन द्वारा दिया जाता है उन्हें कार्यकर्ता पूरी प्रमाणिकता के साथ पूरा करते है। आज अनुकूलता का समय है, इस अनुकूल समय का लाभ उठाते हुए हमें संगठन के विस्तार में लगना चाहिए। मंडलों की बैठकों से परिणाम निकलना चाहिए। जिन बूथों पर हमें समर्थन नहीं मिलता उन बूथों पर कार्ययोजना बनाकर अपने अनुकूल बनाने का काम करें, जहां हमें अनुकूल मतदान केंद्र है।

गोविन्द गाथा में उभरा भावनाओं और स्मृतियों का संगम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कल जाल सभागृह केवल एक स्मरण सभा का स्थल नहीं था, बल्कि वह उन रिश्तों, संवादों और आत्मीयता का आईना बन गया, जो स्वर्गीय गोविंद मालू अपने पीछे छोड़ गए हैं। उनके द्वितीय पुण्यस्मरण पर आयोजित 'गोविंद गाथा' कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ ने यह साफ कर दिया कि कुछ लोग पद और परिचय से नहीं, अपने व्यवहार और अपनत्व से याद रखे जाते हैं।

इंदौर प्रेस क्लब और आनंद गोष्ठी संस्था के संयुक्त बैनर तले हुए इस आयोजन की खास बात यह रही कि विषय कोई राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन या औपचारिक श्रद्धांजलि नहीं था। कार्यक्रम का केंद्र था-'राजनीतिक कार्यकर्ता का निर्माण' जैसा गंभीर और ऑफबीट विषय। इसके बावजूद सभागृह खचाखच भरा रहा। शहर की राजनीति, पत्रकारिता, सामाजिक और सांस्कृतिक दुनिया से जुड़े लोग बड़ी संख्या में पहुंचे।

विदित है कि गोविंद मालू उन लोगों में थे, जिन्होंने लंबे समय तक संगठन और मीडिया के बीच एक सेतु की भूमिका निभाते रहे। शायद यही कारण रहा कि उनके स्मरण में आयोजित कार्यक्रम केवल औपचारिकता बनकर नहीं रह गया, बल्कि लोगों के निजी अनुभवों और भावनाओं का हिस्सा बन गया।

सभा में कई बार ऐसा माहौल बना जब वक्ताओं की बातों के बीच श्रोताओं की स्मृतियां भी ताजा होती दिखीं। किसी ने उनके सहज स्वभाव को याद किया, तो किसी ने कार्यकर्ताओं के प्रति उनकी आत्मीयता को। कई लोगों ने माना कि आज की राजनीति में जहां संवाद कम और दूरी ज्यादा दिखाई देती है, वहां गोविंद मालू जैसे लोग इसलिए अलग नजर आते हैं क्योंकि वे संबंधों को निभाना जानते थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्रसिंह तोमर ने संगोष्ठी के विषय को गोविंद मालू की स्मृतियों के साथ ऐसा समा बांधा कि सुनने वाले श्रोता मंत्र मुग्ध रहे गए। कार्यक्रम का सबसे उल्लेखनीय पक्ष यह रहा कि यहां भीड़ किसी राजनीतिक मजबूरी में नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव में पहुंची थी। यही किसी व्यक्ति की वास्तविक पूंजी भी होती है — लोग उसके जाने के बाद भी उसे याद करने आएं, उसके विचारों पर चर्चा करें और उसकी अनुपस्थिति को महसूस करें। 'गोविंद गाथा' इसी एहसास का जीवंत उदाहरण बन गई।

कार्यक्रम को एक सूत्र में पिरोने का कार्य एक बड़ा दुष्कर कार्य माना जाता है, लेकिन इसको बड़ी सरलता से इंदौर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने लयबद्ध तरीके से संचालित किया। गोविंद मालू के बेहद करीबी रहे अरविंद तिवारी ने अपने शब्दों, स्मृतियों और भावनात्मक जुड़ाव से पूरे आयोजन को जीवंत बना दिया। पत्रकारिता के एक सशक्त और अनुभवी स्तंभ होने के कारण उनके संचालन में केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आत्मीयता और संवेदना का गहरा भाव दिखाई दिया।

आर्ट वर्कशॉप : मदर्स डे विशेषः प्लास्टिक के स्थान पर जूट के उपयोग को बढ़ावा देकर संस्था ने सस्टेनेबल लाइफस्टाइल का संदेश दिया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • क्रिएट स्टोरीज एनजीओ और आर्टवे गैलरी द्वारा मदर्स डे के उपलक्ष्य में द इमेजिनेशन स्टेशन पर नि:शुल्क आर्ट वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य माताओं और बच्चों के बीच के प्रेम को कला के माध्यम से अभिव्यक्त करना और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना था जिसमें माताओं और उनके बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । इस दौरान आर्टिस्ट पूजा पाटीदार ने प्रशिक्षण दिया, जहाँ उन्होंने साधारण जूट के बैग्स को एक नया और आकर्षक रूप देने की तकनीक सिखाई । पूजा ने प्रतिभागियों को बताया कि कैसे फैब्रिक कलर्स का सही इस्तेमाल कर साधारण दिखने वाली वस्तुओं को 'आर्टिस्टिक मास्टरपीस' में बदला जा सकता है । माताओं और बच्चों ने मिलकर जूट के बैग्स पर सुंदर आकृतियां उकेरीं और रंगों के माध्यम से अपनी भावनाओं को प्रदर्शित किया। प्लास्टिक के स्थान पर जूट के उपयोग को बढ़ावा देकर संस्था ने सस्टेनेबल लाइफस्टाइल का संदेश दिया ।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के निवास पहुंचकर शोक संवेदना प्रकट की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर आज शाम भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के निवास पहुंचे। उन्होंने नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा की भाभी एवं पूर्व वार्ड संयोजक विकास मिश्रा की धर्मपत्नी मीना देवी मिश्रा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनके चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की एवं शोक व्यक्त करते हुए, शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान संभागीय प्रभारी रणवीर सिंह रावत, विधायक गोलू शुक्ला, दिनेश वर्मा एवं नगर उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह सोलंकी उपस्थित रहे।

इंदौर के डायल 112 हीरोज

संवेदनशीलता और तत्परता से भटके बालक को सुरक्षित परिजनों से मिलाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर जिले के थाना किशनगंज क्षेत्र में डायल-112 जवानों की सजगता और संवेदनशील कार्यवाही से घर का रास्ता भटक गए 11 वर्षीय बालक को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया गया। समय पर की गई इस कार्रवाई से बालक को सुरक्षित संरक्षण मिला और परिजनों की चिंता दूर हो सकी। 07 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना किशनगंज क्षेत्र अंतर्गत रॉयल रेसीडेंसी के पास एक 11 वर्षीय बालक अकेला मिला है, जो घर का रास्ता भटक गया है। पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही किशनगंज थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तत्काल मौके के लिए रवाना किया गया। डायल-112 स्टॉफ उप निरीक्षक श्रीमती कृष्णा, आरक्षक श्री सुनील एवं पायलट राजेंद्र ठाकुर ने मौके पर पहुंचकर बालक को अपने संरक्षण में लिया। बालक घबराया हुआ था और अपने परिजनों के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहा था।

दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के पदाधिकारियों ने संस्कार शिक्षण शिविर में की सामूहिक पूजा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के करीब 40 पदाधिकारी आज प्रात: 7:15 पर सन्मति स्कूल में संचालित हो रहे बाल एवं युवा संस्कार शिक्षण शिविर में पहुंचे और 2100 शिविरार्थियों के साथ बहुत ही भक्ति भाव से सामूहिक पूजा की। कार्यक्रम स्थल पर विराजित भगवान मुनिसुब्रतनाथ जी के कलश भी देखें।

दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि ये शिविर यंग जैन स्टडी ग्रुप द्वारा पिछले 11 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है , जिसका मार्गदर्शन माइक्रोसॉफ्ट कंपनी में रहे सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवा विद्वान पंडित प्रकाश छाबड़ा द्वारा किया जा रहा है। 22 कमरों में स्मार्ट क्लासेस चलती है , जहां शिविरार्थियों को डिजिटल बुक्स को दिखाकर पढ़ाया जा रहा है। देशभर से आए विद्वान शास्त्री व ब्रह्मचारी बहनें इन्हें जैन धर्म की शिक्षा देते हैं। शहर भर की विभिन्न कॉलोनियों से 24 बसो के माध्यम से बच्चे और युवा यहां आ रहे हैं।

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

इंदौर, शनिवार 09 मई 2026

न्यूज ब्रीफ

भगवान और ध्वजा से जुड़े रहें अन्यथा विषय वासनाओं की आंधी हमें कभी भी, कहीं भी भटका और उड़ा देगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ध्वजा चाहे मंदिर की हो या राष्ट्र की अथवा अन्य किसी संस्थान की - उसका स्थान हमेशा शिखर पर ही होता है। मंदिर की ध्वजा के दर्शन दिन में कई बार बल्कि जब चाहे तब हो सकते हैं। भगवान से ज्यादा महत्व ध्वजा के दर्शन के माने गए हैं। ध्वजा मंदिर के जीवंत होने का भी प्रमाण है। भगवान के दर्शन हर किसी को सहज रूप से नहीं हो पाते लेकिन ध्वजा के दर्शन तो हर समय हो सकते हैं। ध्वजा अपने धर्मदंड के साथ लहराती है, यह प्रतीक है कि ध्वजा की तरह हम भी हमेशा भगवान की भक्ति, आज्ञा और आस्था से जुड़े रहें तो हमारा भी स्थान ध्वजा की तरह शिखर पर बना रहेगा। मंदिर से जुड़े रहने के लिए जरुरी है कि हम भगवान और ध्वजा के दर्शन नियमितरूप से करते रहें अन्यथा संसार की विषय वासनाओ की आंधी हमें कभी भी, कहीं भी भटका और उड़ा देगी।

ब्राह्मण सेवा न्यास की मेजबानी में भगवान परशुराम और राष्ट्र आराधना पर व्याख्यान कल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास की मेजबानी में रविवार 10 मई को विमानतल मार्ग स्थित श्री श्री विद्याधाम पर सायं 7.30 बजे से श्री परशुराम यशोगाथा- भगवान परशुराम और राष्ट्र आराधना जैसे प्रासंगिक विषय पर महानिर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री विशोकानन्द भारती महाराज (बीकानेर-काशी-हरिद्वार-अहमदाबाद-कोलकाता) के सानिध्य और मुख्य आतिथ्य में मप्र साहित्य अकादमी, मप्र शासन के निदेशक डॉ. विकास दवे मुख्य वक्ता के रूप में अपने प्रेरक और ओजस्वी विचार व्यक्त करेंगे। न्यास के अध्यक्ष पं. दिनेश शर्मा एवं महामंत्री सुरेश शर्मा 'काका' ने बताया कि न्यास की ओर से प्रतिवर्ष भगवान श्री परशुराम पर केन्द्रित व्याख्यान के प्रासंगिक आयोजन का सिलसिला शुरू किया गया है। इस श्रृंखला में इस बार डॉ. विकास दवे मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होकर भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर अपने प्रेरक विचार व्यक्त करेंगे।

समाज एवं मंदिर प्रबंधन के हित में महत्वपूर्ण अपील

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सकल जैन समाज के सभी मंदिरों के पदाधिकारियों, ट्रस्टियों एवं समाजजन से हमारे धर्म आयतनों संस्कृति एवं धरोहर की सुरक्षा के लिए विनम्र निवेदन है कि वर्तमान समय में देखने में आ रहा है कि जिन मंदिरो बढ़ती चोरी की घटनाओं को देखते हुए मंदिरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं । राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ एवं विश्व जैन संगठन के प्रचारक राजेश जैन दद्दू, मयंक जैन ने कहा कि मंदिरों में चांदी, अष्टधातु की प्रतिमाएं, पांडूकशिला, कलश, छत्र ,अष्ट प्रातीहारी एवं अन्य मूल्यवान रत्न एवं धातुओं से बनी अनेक जिन प्रतिमाएं एवं धार्मिक वस्तुएं स्थापित रहती हैं। वर्तमान समय में धातुओं के बढ़ती कीमतों के कारण असामाजिक तत्व इन वस्तुओं को सोना , चांदी समझ कर चोरी करने का प्रयास करते हैं। वर्तमान समय में कई बार लालच के कारण ऐसी घटनाएं घटित हो रही हैं, जिससे समाज को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ एवं विश्व जैन संगठन भारत वर्षीय जैन समाज से पुर जोर अपील करते हुए कहा कि अपने अपने क्षेत्रों के धर्म आयतनों की सुरक्षा के लिए निम्न सुरक्षा उपाय तत्काल किए जाएं: जेस सीसीटीवी कैमरे पुरे परिसर में अनिवार्य रूप से लगवाएं जाए।

महाकाल-ओंकारेश्वर में भीड़ संभालने के लिए अब बनेगा प्रोफेशनल सिस्टम

भोपाल (एजेंसी) ● महाकाल मंदिर, ओंकारेश्वर और प्रदेश के अन्य बड़े धार्मिक स्थलों पर लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार अब प्रोफेशनल टेंपल मैनेजमेंट की दिशा में कदम बढ़ाने जा रही है। प्रदेश में पहली बार एमबीए पाठ्यक्रम के तहत टेंपल मैनेजमेंट कोर्स शुरू किया जाएगा। इसकी शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय से होगी। सरकार का मानना है कि धार्मिक पर्यटन के लगातार बढ़ते दायरे के बीच अब मंदिरों और बड़े धार्मिक स्थलों की व्यवस्थाओं के लिए प्रशिक्षित मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की जरूरत महसूस की जा रही है। शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि पहले जहां सावन, शिवरात्रि और विशेष वर्षों पर ही भारी भीड़ दिखाई देती थी, वहीं अब सप्ताहांत और अवकाश के दिनों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिरों में पहुंच रहे हैं। उज्जैन में सामान्य दिनों में भी एक लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। महाकाल मंदिर, ओंकारेश्वर, ओरछा सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर भी लगातार भीड़ बढ़ रही है। ऐसे में भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, सफाई और श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित बनाए रखना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

प्रस्तावित टेंपल मैनेजमेंट कोर्स में आधुनिक मैनेजमेंट सिस्टम पर विशेष फोकस रहेगा। छात्रों को भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग सिस्टम, सफाई व्यवस्था, श्रद्धालुओं की आवाजाही और आपदा प्रबंधन जैसे विषय पढ़ाए जाएंगे। इसके साथ ही मंदिरों में चढ़ने वाले फूल-माला, नारियल और अन्य पूजन सामग्री के उपयोग तथा डिस्पोजल की वैज्ञानिक व्यवस्था का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। धार्मिक स्थलों की आंतरिक व्यवस्थाओं को अधिक तकनीकी और व्यवस्थित बनाने पर विशेष ध्यान रहेगा।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह कोर्स केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि मैनेजमेंट के सिद्धांत हर जगह समान रूप से लागू होते हैं। इस कोर्स से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्र चर्च, मस्जिद और अन्य धार्मिक या भीडभाड़ वाले स्थलों पर भी व्यवस्थाए संभाल सकेंगे। सरकार पहले इसे उज्जैन में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू करेगी। इसके बाद छात्रों की रुचि और परिणामों के आधार पर इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय समेत अन्य विश्वविद्यालयों में भी इसे शुरू करने पर विचार किया जाएगा।

धार्मिक पर्यटन में प्रशिक्षित लोगों के आने से श्रद्धालुओं को मिलेगी बेहतर सुविधाएं

सरकार का मानना है कि आने वाले समय में धार्मिक पर्यटन और बड़े धार्मिक आयोजनों में प्रशिक्षित मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की मांग तेजी से बढ़ेगी। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे। प्रशिक्षित लोगों के आने से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और धार्मिक स्थलों की व्यवस्थाएं अधिक संवेदनशील, व्यवस्थित और प्रोफेशनल तरीके से संचालित की जा सकेंगी।

माँ नर्मदा प्रभु के प्रेम, भक्ति और विश्वास की ऐसी धारा जिसके तट पर मिलती है हर पाप, ताप और संताप से मुक्ति : पं. शास्त्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पुण्यसलिला माँ नर्मदा का पुण्य प्रताप युगों-युगों से भारतीय समाज, धर्म संस्कृति और जीवमात्र को जीवन प्रदान करते आ रहा है। नर्मदा के तट पर मनुष्य और ऋषि-मुनि तो ठीक, देवता भी तप करने आते हैं। राम-रावण युद्ध के दौरान जब हनुमानजी पर हजारों ब्रह्म राक्षसों के वध का पाप चढ़ गया था तब उन्हें भी भगवती नर्मदा के तट पर आकर तपस्या करना पड़ी तब कहीं वे श्रापमुक्त हुए। नर्मदा केवल जलधारा नहीं, प्रभु के प्रेम, भक्ति, श्रद्धा, विश्वास और जीवन के प्रवाह की ऐसी धारा है जिसके तट पर पहुंचकर हर कोई हर तरह के पाप, ताप और संताप से मुक्त बन सकता है। नर्मदा की जितनी महिमा कही जाए, उतनी कम ही होगी। माँ की महिमा का बखान करना देवताओं के बूते से भी बाहर की बात है। देवता भी माँ नर्मदा के तट पर तपस्या करने आते हैं।

नर्मदा परिक्रमावासी आचार्य पं. रविकांत शास्त्री ने खजराना गणेश मन्दिर स्थित सत्संग सभागृह पर अ.भा. दादा गुरु परिवार इंदौर नर्मदा मिशन की मेजबानी में चल रहे नर्मदा चिंतन ज्ञान यज्ञ में शुक्रवार को माँ नर्मदा की लीलाओं की व्याख्या के दौरान उक्त ओजस्वी और प्रेरक विचार व्यक्त किए। कथा शुभारंभ के पूर्व कैलाश बंसल, अनिल अग्रवाल, शिव जिंदल, मधुरम अग्रवाल, नितिन विजयवर्गीय, शाश्वत शुक्ला, देवांग शर्मा आदि ने व्यास पीठ एवं नर्मदा पुराण ग्रन्थ का पूजन किया। समाजसेवी राजेंद्र बंसल एवं नित्यम बंसल ने बताया कि संध्या को माँ नर्मदा प्राकट्य उत्सव भी मनाया गया। इस दौरान इधिका नित्यम बंसल ने माँ नर्मदा के रूप में प्रकट होकर सैकड़ों भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किए। भक्तों ने भी नर्मदे हर और माँ नर्मदा के जयघोष के बीच नाचते-गाते हुए उत्सव को आत्मसात किया। कथा श्रवण के लिए दिनोदिन भक्तों का सैलाब बढ़ता जा रहा है। देश के तपोनिष्ठ संत दादागुरु भी इस पावन कथा में सानिध्य प्रदान करने 10-11 मई को इंदौर में विराजित रहेंगे। वे देश के एकमात्र ऐसे तपस्वी संत हैं जो पिछले 2031 दिनों से केवल नर्मदा के जल पर आश्रित हैं। कथा 11 मई तक खजराना गणेश मंदिर परिसर स्थित दौलतराम छाबछरिया सत्संग भवन पर प्रतिदिन शाम 5 से 8 बजे तक हो रही है।

हापुस की खुशबू से महका मेंगो जत्रा, इंदौरियों ने जमकर लिया आम का स्वाद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●गर्मी के मौसम में फलों के राजा आम की मिठास से सराबोर 'मेंगो जत्रा' का आगाज शुक्रवार को ग्रामीण हाट बाजार, ढक्कन वाला कुआं, साउथ तुकोगंज में हुआ। मराठी सोशल ग्रुप द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय उत्सव 10 मई तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक चलेगा। आयोजन के पहले ही दिन बड़ी संख्या में इंदौरी स्वादप्रेमी पहुंचे और रत्नागिरी व देवगढ़ (कोंकण) के प्रसिद्ध हापुस आम का स्वाद लिया। ग्रुप के सुधीर दांडेकर एवं राजेश शाह ने बताया कि मैंगो जत्रा की शुरुआत भगवान गणेश के पूजन-अर्चन के साथ हुई। इस बार 24 से अधिक आम उत्पादकों ने भाग लिया है। सुबह से ही लोग हापुस आम खरीदने उमड़ पड़े और कई परिवारों ने जमकर खरीदारी की। तृप्ति महाजन ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी नाममात्र शुल्क पर हापुस आम चखने की व्यवस्था की गई, जिसका लोगों ने खूब आनंद लिया। वहीं सुमेधा बावकर ने बताया कि आयोजन में मराठी व्यंजनों और इंदौरी चाट का विशेष आकर्षण भी रखा गया है। झुणका भाकर-ठेचा, अप्पे, श्रीखंड-पूरी, मेंगो मस्तानी, अनारसे सहित कई पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लोगों को खूब भाया। इसके अलावा सुपारी चूर्ण, अचार, शर्बत, हर्बल उत्पाद, लकड़ी के खिलौने, किचन वेयर और अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुओं के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र बने रहे। आयोजन स्थल पर वाहनों के लिए पर्याप्त पार्किंग और प्रवेश निशुल्क रखा गया है।

रेडक्रॉस के उद्देश्य और सेवा कार्यों से जन-जन को करें प्रेरित : राज्यपाल पटेल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा, ईश्वर की सेवा का सशक्त माध्यम है। मानवता की सेवा ही प्रभु की सेवा है। अपनी शक्ति और सामर्थ्य के अनुसार ग़रीब, वंचित और ज़रूरतमंदों की हमेशा मदद करते रहे। उन्होंने कहा कि सेवा का दायरा बहुत विस्तृत है। रेडक्रॉस सदस्य दूरस्थ, ग्रामीण इलाकों जाकर जरूरतमंदों से मिले, उनकी समस्याओं को करीब से देखें, समझे और यथा संभव समाधान के आत्मीय प्रयास करें। हर सदस्य कम से कम 5 व्यक्तियों को रेडक्रॉस से जोड़े। राज्यपाल पटेल ने रेडक्रॉस के सिद्धांतों, उद्देश्यों और कार्यों से जन-जन को प्रेरित करने का आह्वान किया। पीड़ित मानवता के प्रति रेडक्रॉस के संवेदनशील समर्पण से प्रेरणा लेने, वंचितों के उत्थान में सहभागी बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की युवाओं से अपील की। राज्यपाल पटेल शुक्रवार को विश्व रेडक्रॉस दिवस पर आयोजित 'सेवा सम्मान समारोह' को संबोधित कर रहे थे।

मदर्स डे पर शेरेटन ग्रैंड पैलेस इंदौर में खास ब्रंच का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●मदर्स डे एक ऐसा खास अवसर है, जब हम अपने जीवन की सबसे महत्वपूर्ण महिला के प्रेम, त्याग और स्नेह को सम्मान देते हैं। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए शेरेटन ग्रैंड पैलेस इंदौर द्वारा मदर्स डे ब्रंच का आयोजन किया जा रहा है, जो परिवारों को एक साथ आकर इस दिन को खास तरीके से मनाने का अवसर देगा। इस अवसर पर होटल द्वारा 'मदर्स डे ब्रंच - सेलिब्रेट द हार्ट ऑफ एवरी होम' थीम के तहत एक विशेष आयोजन तैयार किया गया है। यह ब्रंच एक पारिवारिक उत्सव के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसमें स्वादिष्ट व्यंजन, लाइव म्यूजिक और कई आकर्षक गतिविधियों का समावेश रहेगा, ताकि हर मां को खास महसूस कराया जा सके। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य केवल भोजन नहीं, बल्कि परिवार के साथ बिताए गए खूबसूरत पलों को और भी यादगार बनाना है। यहां आने वाले मेहमान अपने परिवार के साथ समय बिताते हुए संगीत, मनोरंजन और विविध गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान लाइव सिंगर की प्रस्तुति माहौल को और भी खुशनुमा बनाएगी, वहीं बच्चों के लिए विशेष एक्टिविटी जोन तैयार किया गया है।

नगर परिषदों में चल रहे शहरी विकास कार्यों की कलेक्टर ने की विस्तृत समीक्षा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●कलेक्टर शिवम वर्मा ने आज इंदौर जिले की सभी नगर परिषदों में संचालित शहरी विकास एवं जनहितकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। आयोजित बैठक में विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर वर्मा ने पीएम स्वनिधि योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छता सर्वेक्षण के अंतर्गत साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन, डोर-टू-डोर कलेक्शन एवं नागरिक सहभागिता को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विशेष ध्यान देने को कहा।

प्रधानमंत्री आवास योजना एवं आवासीय पट्टा वितरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री वर्मा ने पात्र हितग्राहियों को पारदर्शिता के साथ लाभान्वित करने तथा लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। अमृत 2.0 योजना एवं स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए उन्होंने सभी निर्माण एवं अधोसंरचनात्मक कार्यों को गुणवत्ता एवं समय-सीमा के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला शहरी विकास अभिकरण के प्रभारी अधिकारी तथा संयुक्त कलेक्टर ओमनारायण बड़कुल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों एवं माह मई 2026 में जारी होने वाली ग्रेडिंग की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जाए तथा अनावश्यक लंबित प्रकरणों को तत्काल समाप्त किया जाए। उन्होंने भूमि आवंटन से संबंधित लंबित आवेदनों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए प्रकरणों के त्वरित परीक्षण एवं निराकरण के निर्देश दिए।

इंदौर की विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों में बढ़ावा देकर मेडिकल टूरिज्म एवं वैलनेस हब की दिशा में आगे बढ़ेंगे - डॉ. खाड़े

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पांच विशेष रीजनल मेडिकल हब स्थापित करने की योजना है। इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए शुक्रवार को संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में मेडिकल विशेषज्ञता रखने वाले तथा अलग-अलग क्षेत्रों के स्टेकहोल्डर्स के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी से इस सम्बंध में सुझाव लिए गए। ताकि इस प्रस्तावित योजना को क्वालिटी ऑफ केयर एंड क्रेडिबिलिटी के साथ स्थापित किया जा सकें। बैठक के पश्चात संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि शासन को प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने से पहले इसके दीर्घ और लघु रूप में ठोस तैयारी की जाए। बैठक में एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक श्री हिमांशु प्रजापति, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी, एसोसिएशन ऑफ टूरिज्म के चेयरमैन श्री हेमेन्द्र सिंह चौहान, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. डी.के. शर्मा सहित विभिन्न अस्पतालों के प्रबंधक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के पश्चात संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि भारत मेडिकल क्षेत्र में ग्लोबली वैलनेस डेस्टिनेशन बनता जा रहा है।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

इंदौर, शनिवार 09 मई 2026
dainikindoresanket.com

सम्पादकीय

तरबूज बना मौत की वजह? जहरीले रसायनों से फल-सब्जियों की खेती पर उठे बड़े सवाल

कच्चे फल-सब्जियों को पकाने और उनका आकार जल्दी बढ़ाने के लिए इंजेक्शन से उनके भीतर रसायन डाला जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है। स्वस्थ रहने के लिए फल और हरी सब्जियों का सेवन जरूरी माना जाता है। चिकित्सक भी लोगों को अपने रोजमर्रा के आहार में इन्हें शामिल करने की सलाह देते हैं। मगर इनकी पैदावार में जहरीले रसायनों का बढ़ता इस्तेमाल गंभीर चिंता का विषय बन गया है। फलों को समय से पहले पकाने, चमकदार बनाने और हरी सब्जियों का आकार जल्दी बढ़ाने के लिए विभिन्न तरह के रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है, जो मनुष्य के लिए घातक हो सकते हैं। ऐसा ही एक मामला हाल में मुंबई के पायधोनी इलाके में सामने आया, जहां तरबूज खाने के बाद एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। फोरेंसिक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, मृतकों के आंतरिक अंगों और तरबूज के नमूनों में चूहे मारने की दवा के अंश पाए गए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि तरबूज के अंदर यह दवा कैसे आई। इस बात की आशंका भी जताई जा रही है कि कहीं तरबूज को पकाने के लिए तो इस दवा का इस्तेमाल नहीं किया गया। इस मामले में पुलिस की जांच के बीच अब यह सवाल उठ रहा है कि आखिर परिवार के चार सदस्यों की मौत के लिए जिम्मेदार कौन है? फसलों को कीटों और अन्य जंतुओं से बचाने के लिए कीटनाशक तैयार किए गए हैं, लेकिन इनका अंधाधुंध और अवैज्ञानिक इस्तेमाल अब मानव के स्वास्थ्य तथा जीवन पर भारी पड़ रहा है। ऐसी खबरें भी आती रहती हैं कि कच्चे फल-सब्जियों को पकाने और उनका आकार जल्दी बढ़ाने के लिए इंजेक्शन से उनके भीतर रसायन डाला जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है। हालांकि सरकार की ओर से कीटनाशकों की खरीद-बिक्री और इनके इस्तेमाल को लेकर नियम-शर्तें लागू की गई हैं, लेकिन इन पर कड़ाई से अमल सुनिश्चित करने में विभिन्न स्तरों पर लापरवाही साफ नजर आती है। ऐसे में इसकी नितांत जरूरत है कि संबंधित महकमे की ओर से नियमित तौर पर फल-सब्जियों की जांच की जाए, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो और हानिकारक रसायनों के इस्तेमाल से सेहत पर दुष्प्रभाव को लेकर व्यापक जागरूकता फैलाई जाए, ताकि लोगों के स्वास्थ्य एवं जीवन के साथ किसी तरह का खिलवाड़ न हो।

प्रसंगवश: 10 मई - मातृ दिवस

एक नाम, जिसमें पूरा जीवन सिमट जाता है - माँ

जब जीवन पहली बार ममता की छाया में सांस लेना सीखता है, तभी माँ का अर्थ समझ आता है। मई के दूसरे रविवार पर आने वाला यह दिन माँ के निस्वार्थ प्रेम और अथाह त्याग का वह उजाला है, जिसमें हमारे अस्तित्व का सच्चा अर्थ साफ दिखाई देता है। भारत समेत अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में मई के दूसरे रविवार को मनाया जाने वाला मदर्स डे (मातृ दिवस) औपचारिक नहीं, उस मूल शक्ति का सम्मान है जो हर जीवन की नींव है। माँ वह दीप है, जो स्वयं जलकर अंधकार हरती है, और वह आसमान है, जो हर तूफान समेट लेता है। सूरज बाद में उगता है, पर माँ का स्नेह पहले ही रास्ता दिखा देता है। इसलिए यह दिन किसी रिश्ते का नहीं, उस दिव्यता का उत्सव है, जिसमें सृजन, संरक्षण और समर्पण एक साथ बसते हैं।

• माँ: जिम्मेदारियाँ उसे मोड़ती हैं, पर तोड़ नहीं पातीं

• आँसू लिखते हैं, मुस्कानें पढ़ती हैं - ऐसी अमर किताब है माँ

जहाँ शब्द रुक जाते हैं और समझ की सीमाएँ छोटी पड़ जाती हैं, वहीं माँ के प्रेम की असली गहराई शुरू होती है। विज्ञान भले बहुत आगे बढ़ जाए, पर इस अनुभूति को पूरी तरह समझ नहीं पाता। गर्भ में शिशु की पहली हलचल के साथ ही माँ के तन-मन में अद्भुत बदलाव आते हैं। ऑक्सीटोसिन जैसे हार्मोन उसे पीड़ा सहने की शक्ति देते हैं, पर यह सिर्फ शरीर का विज्ञान नहीं, आत्मा का स्पंदन है। रात-रात जागकर बच्चे की देखभाल करना, अपने हिस्से का भोजन त्याग देना—ये सामान्य नहीं, प्रेम की चरम अभिव्यक्ति हैं। भारतीय परंपरा में 'माता' वही है जो सहेजती है, संरक्षण देती है और स्वयं को समर्पित कर देती है। रामायण की कौशल्या से महाभारत की कुंती तक और आज की हर माँ तक, यह त्याग और समर्पण की धारा अनवरत बहती रही है।

जब प्रेम अपनी अंतिम सीमा पार कर त्याग में ढल जाता है, तब माँ की ममता इतिहास नहीं, अमर सत्य बन जाती है। 1952 के कोरिया युद्ध की वह घटना आज भी संवेदनाओं को झकझोर देती है, जब एक माँ ने अपने नवजात को ठंड से बचाने के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। बर्फ से जमे पुल के नीचे जन्मे उस शिशु को जीवित रखने के लिए उसने अपने शरीर की आखिरी गर्मी तक उसे ओढ़ा दी। वर्षों बाद जब उस बेटे को यह सच्चाई पता चली, तो उसकी पीड़ा हर संवेदनशील मन में गूंज उठी। यह कोई कथा नहीं, मातृत्व का वह कठोर सच है, जहाँ माँ खुद मिटकर भी जीवन बचा लेती है। इसलिए माँ की कोई तुलना संभव नहीं — वह हर उपमा से परे है।जब बाहरी जगमगाहट बढ़ती है और भीतर की गर्माहट कम होने लगती है, तब माँ का मौन संघर्ष और गहरा हो जाता है। वह घर की सीमाओं से परे, समय और समाज के हर दबाव से लड़ते हुए बच्चों का भविष्य गढ़ती है। कभी अपने सपनों और करियर को पीछे रखकर, तो कभी बीमारी में भी मुस्कान के साथ वह हर जिम्मेदारी निभाती है। कठिन परिस्थितियों में भी बच्चों की सुरक्षा उसका अडिग संकल्प रहता है। वर्षों की मेहनत से उन्हें सफलता दिलाना और अपनी पीड़ा छुपाकर उनके सपने पूरे करना—यही माँ की पहचान है। वह सच में ऐसी योद्धा है, जो बिना हथियार हर लड़ाई जीत लेती है।

जब भावनाएँ बाज़ार की चमक में सिमटती हैं, तब मातृ-दिवस का अर्थ धुंधला पड़ जाता है। समय के साथ यह अवसर उपहारों, कार्डों और औपचारिकताओं तक सीमित हो गया है, जबकि इसकी आत्मा कहीं गहरी है। मातृ-दिवस की पहल करने वाली अन्ना जार्विस ने इसके व्यावसायीकरण पर खेद जताया था। उनका मानना था कि माँ के प्रति सच्चा सम्मान एक दिन नहीं, बल्कि रोज़मर्रा के व्यवहार में झलकता है। माँ के साथ बिताए गए सच्चे पल, उसकी बातों को ध्यान से सुनना और उसकी भावनाओं को समझना ही वास्तविक श्रद्धांजलि है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि माँ के प्रति कृतज्ञता कोई क्षणिक भावना नहीं, बल्कि जीवनभर निभाया जाने वाला भाव है।

जहाँ से भविष्य की दिशा तय होती है, वहाँ माँ की छाप सबसे गहरी होती है। वह सिर्फ परिवार की धुरी नहीं, बल्कि राष्ट्र की असली नींव है। एक शिक्षित और जागरूक माँ अपने बच्चों के साथ समाज को भी सही राह दिखाती है। खेतों से शहरों तक, अनगिनत माताएँ बिना वेतन और बिना विश्राम निरंतर राष्ट्र निर्माण में लगी हैं। उनका परिश्रम भले मौन हो, पर उसका प्रभाव असीम है। जब माँ अपनी बेटी को शिक्षित करती है, तो वह एक नहीं, कई पीढ़ियों को सशक्त बना देती है। इसलिए माँ की भूमिका इतनी विशाल है कि उसे शब्दों में पूरी तरह बाँध पाना संभव नहीं।

जब कृतज्ञता शब्दों से आगे बढ़कर संकल्प बन जाती है, तभी मातृ-दिवस का अर्थ पूर्ण होता है। 10 मई 2026 हमें केवल उत्सव नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों को पहचानने का अवसर देता है। माँ के लिए एक स्नेहभरा फोन, उसके साथ बिताया गया थोड़ा-सा समय या एक सच्ची मुस्कान — ये छोटे कदम उसके जीवन में गहरी खुशी भर देते हैं। हमारा प्रयास होना चाहिए कि उसके चेहरे की मुस्कान कभी फीकी न पड़े और उसकी आँखों में आँसू न आएँ। क्योंकि माँ की प्रसन्नता ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है, और उसकी संतुष्टि से बड़ा कोई पुरस्कार नहीं।

जब हर रिश्ता समय के साथ बदलता है, तब भी एक सत्य अडिग रहता है — माँ। उसका प्रेम वह सूक्ष्म धागा है, जो टूटे सपनों को फिर से जोड़ देता है और बिखरे जीवन को संवार देता है। 10 मई 2026 का यह मातृ-दिवस हमें याद दिलाता है कि हम उसी के अंश हैं, उसके त्याग और स्नेह का विस्तार हैं; उसके बिना हमारा अस्तित्व अधूरा है। इसलिए यह दिन केवल स्मरण का नहीं, संकल्प का है — उसके आदर्शों पर चलने का, उसके त्याग का सम्मान करने का और उसके प्रेम को जीवन का मार्ग बनाने का। जय माता दी — हर उस माँ के लिए, जो न थकती है, न हारती है, और सदैव अपने बच्चों के लिए दीपक बनकर जलती रहती है।

कृति आरके जैन, सृजनिका
बड़वानी (मप्र)

भारतीय सड़कों पर वाहन चालकों का मनोविज्ञान: मेरी सुरक्षा मेरी नहीं, पुलिस की ज़िम्मेदारी है

भारत में एक आम कहावत है 'कानून तोड़ने के लिए ही बनते हैं।' लेकिन इस व्यवहार के पीछे अभिभावकों के आचरण से उत्पन्न एक गहरा कुसंस्कार छिपा है। यहाँ सड़क पर चलने वाला नागरिक सुरक्षा नियमों को जीवन रक्षक कवच नहीं, बल्कि पुलिस द्वारा बिछाया गया एक 'जाल' मानता है। यह मानसिकता एक स्पष्ट संदेश देती है: सुरक्षित रहना मेरा निजी लक्ष्य नहीं है; मुझसे सुरक्षा नियमों का पालन करवाना पुलिस का सिरदर्द है।

आम भारतीय घरों में हम देखती है बच्चा ठंड से बचने के लिए स्वेटर तब तक नहीं पहनता जब तक माँ डाँटकर न पहना दे। ठीक यही व्यवहार हमारी सड़कों पर भी झलकता है। दुपहिया सवार हेलमेट हाथ में लटका कर चलता है, लेकिन जैसे ही दूर से नीली, खाकी, सफेद वर्दी (पुलिस) नजर आती हैं, हेलमेट तुरंत सिर पर आ जाता है। यहाँ हेलमेट का उद्देश्य सिर को दुर्घटना से बचाना नहीं, बल्कि 1000 के चालान से बचाना है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में यह तर्क अत्यंत प्रबल है कि 'पुलिस नहीं तो नियम नहीं।' यदि सरकार ने नियम बनाए हैं, तो उन्हें लागू करने की जिम्मेदारी भी उसी की है। अगर पुलिस चौराहे पर मौजूद नहीं है, तो नागरिक सड़क को फ्री-वे मान लेता है। भारत में सड़कों पर नागरिक उत्तरदायित्व का अभाव अक्सर इस तर्क में छिप जाता है कि 'जब सरकार सड़कें ठीक नहीं कर सकती, तो मैं मेरी सुरक्षा के लिए अस्तित्व में आए सुरक्षा नियम क्यों मानूँ?' यह एक तरह का मनोवैज्ञानिक युद्ध है। नागरिक अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह से शासन पर डाल चुका है।

संकेत बनाम सत्ता: लाल बत्ती हमारे लिए रुकने का संकेत तब तक नहीं है जब तक वहाँ कैमरा या सिपाही न हो।

दण्ड का डर: हम नियम इसलिए मानते हैं क्योंकि हम पकड़े जाने से डरते हैं, मरने से नहीं। भारत में हेलमेट पहनना एक सुरक्षा उपाय नहीं, बल्कि पुलिस से बचने का जुगाड बन कर रह गया है।'

सड़कों पर हमारा आचरण इस सत्य को उजागर करता है कि हमारे समाज में 'स्व-अनुशासन' का स्थान 'बाहरी नियंत्रण' ने ले लिया है। जब तक भारतीय सड़कों पर पुलिस की लाठी सक्रिय है, तब तक नियम जीवित हैं। जिस दिन पुलिस हट गई, उस दिन हमारा 'स्वेटर' उतर जाएगा, चाहे ठंड कितनी भी जानलेवा क्यों न हो।

अंततः, यह व्यवस्था और अभिभावकों के व्यवहार द्वारा उपजे संस्कार हमें एक जिम्मेदार नागरिक के बजाय एक डरा हुआ उल्लंघनकर्ता बनाकर छोड़ देती है।

राजकुमार जैन, यातायात प्रबन्धन विशेषज्ञ

आंचलिक

आईटीआई में इलेक्ट्रिक जीनियस प्रोजेक्ट चैलेंज : उमरबन प्रथम, धामनोद-कुक्षी को दूसरा स्थान मिला

दैनिक इंदौर संकेत

धार • धार के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में शुक्रवार को जिला स्तरीय इलेक्ट्रिकल प्रोजेक्ट प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता 'इलेक्ट्रिक जीनियस प्रोजेक्ट चैलेंज डिस्ट्रिक्ट धार 2026' का आयोजन किया गया। विश्व कौशल प्रतियोगिता की तैयारियों के तहत हुई इस प्रतियोगिता में जिले की 12 शासकीय आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षणार्थियों ने अपने तकनीकी कौशल, नवाचार और रचनात्मक सोच का प्रदर्शन किया। उन्होंने आधुनिक तकनीक पर आधारित विभिन्न इलेक्ट्रिकल मॉडल्स और प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए। इनमें ऊर्जा संरक्षण, ऑटोमेटिक कंट्रोल सिस्टम, विद्युत सुरक्षा और स्मार्ट तकनीक से जुड़े कई नवाचार शामिल रहे। विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए मॉडल्स ने अधिकारियों और उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। कड़े मुकाबले के बाद शासकीय आईटीआई उमरबन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शासकीय आईटीआई धामनोद और कुक्षी को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान दिया गया। इसके अलावा, शासकीय आईटीआई धार और तिलगारा को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

खलघाट टोल पर कांग्रेस का चक्काजाम, नेता प्रतिपक्ष सिंघार समेत 10 विधायकों पर एफआईआर

दैनिक इंदौर संकेत

धामनोद • खलघाट टोल टैक्स के समीप 7 मई को किसानों की मांगों को लेकर किए गए चक्काजाम मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस आंदोलन में शामिल नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार और कांतिलाल भूरिया सहित 10 वर्तमान और 3 पूर्व विधायकों के खिलाफ स्न्नढ्ढक्र दर्ज की गई है। कुल 25 से अधिक कांग्रेस नेताओं को नामजद किया गया है।

एफआईआर में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार, बाला बच्चन, हनी बघेल, प्रताप ग्रेवाल, कांतिलाल भूरिया, सचिन यादव, हीरालाल अलावा, झूमा सोलंकी, केदार डावर और मोंटू सोलंकी के नाम शामिल हैं। इनके अलावा पूर्व विधायक विजयलक्ष्मी साधौ, पंचीलाल मेडा और नवीन जोशी सहित जिलाध्यक्ष स्वतंत्र जोशी पर भी प्रकरण दर्ज किया गया है। धामनोद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 220/2026 के तहत बीएनएस की धारा 126(2), 191(2)

और राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम की धारा 8(बी) के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिना अनुमति यातायात बाधित करने के चलते यह कानूनी कदम उठाया गया है। कांग्रेस का यह आंदोलन फसल बीमा राशि, खाद-बीज की किल्लत और अघोषित बिजली कटौती जैसे मुद्दों को लेकर आयोजित किया गया था। आंदोलन के कारण नेशनल हाईवे का यातायात प्रभावित हुआ था, जिसे प्रशासन ने वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट किया था। चक्काजाम के दौरान भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर तैनात रहे। दोपहर 3 बजे धार कलेक्टर ने स्वयं प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर कांग्रेस नेताओं से ज्ञापन प्राप्त किया। ज्ञापन सौंपने के बाद नेताओं ने धरना समाप्त करने की घोषणा की थी।

करप्शन के प्रति जीरो टॉलरेंस रहेगा : एसपी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जिले के नए पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने गुरुवार को पदभार ग्रहण कर लिया। सुबह वे एसपी कार्यालय पहुंचे, जहां निवर्तमान एसपी एवं डीआईजी मनोज कुमार राय ने उन्हें चार्ज सौंपा। पदभार ग्रहण करने के बाद दोनों अधिकारियों ने सहभोज किया। इसके बाद एसपी अगम जैन ने पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचकर अधिकारियों और थाना प्रभारियों की बैठक ली। पुलिस कंट्रोल रूम में हुई बैठक के दौरान एसपी अगम जैन ने जिले की कानून व्यवस्था, अपराध की स्थिति और लंबित मामलों की जानकारी ली। उन्होंने जिले की कार्यप्रणाली को समझने के लिए अधिकारियों से चर्चा की और शुरुआती स्तर पर जिले की स्थिति का जायजा लिया। मीडिया से बातचीत में एसपी जैन ने बताया कि पहले दिन उन्होंने पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ बैठक कर जिले के क्राइम रिकॉर्ड और

लंबित मामलों की समीक्षा की। साथ ही कानून व्यवस्था और तीर्थनगरी ओंकारेश्वर की व्यवस्थाओं को लेकर भी चर्चा की गई। एसपी अगम जैन ने कहा कि उनकी प्राथमिकता जिले में बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने और सोशल पुलिसिंग को मजबूत करने पर रहेगी। उन्होंने कहा कि अपराधों पर नियंत्रण, बड़े मामलों का जल्द खुलासा और पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने पर काम किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। साथ ही पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने के लिए जनसंवाद कार्यक्रमों पर भी फोकस रहेगा।

मनावर में 'संस्कार उत्सव' आज से, बालिकाओं के सशक्तिकरण पर होगा फोकस

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर • मनावर के समीप ग्राम गणपूर के दाहोद में बालिकाओं के नैतिक और सामाजिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से 'संस्कार उत्सव 2026' का आयोजन किया जा रहा है। खंडवा-बड़ौदा स्टेट हाईवे पर स्थित श्री कृष्टभंजन देव मंदिर बालाजी धाम परिसर में यह उत्सव 9 मई को शाम 7 बजे आयोजित होगा। आयोजकों के अनुसार, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं में पारिवारिक शिक्षा, नैतिक मूल्यों और वर्तमान समय में बढ़ रही नकारात्मक प्रवृत्तियों के प्रति जागरूकता विकसित करना है। उत्सव के माध्यम से प्रेरक संवाद, मार्गदर्शन और विचारों द्वारा बालिकाओं को संस्कारित एवं आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम में शास्त्री स्वामी शांति प्रियदास मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं, बड़वानी के पुलिस अधीक्षक पदम विलोचन शुक्ल विशेष अतिथि के तौर पर शामिल होकर बालिकाओं और उनके अभिभावकों को संबोधित करेंगे।

कृष्टभंजन सेवा समिति और मंदिर प्रबंधन ने क्षेत्र के अभिभावकों से इस उत्सव में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता की अपील की है। आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं।

जिला अस्पताल में देर रात तक चला सफाई अभियान

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं में सुधार के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार रात अस्पताल परिसर में देर रात तक सफाई अभियान चला। इस दौरान मुख्य पानी की टंकी की सफाई की गई और मच्छरों से बचाव के लिए फॉगिंग भी की गई।

यह अभियान कलेक्टर हर्ष सिंह के पिछले दिनों जिला अस्पताल के दौरे के बाद तेज हुआ है। कलेक्टर ने अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों और सुविधाओं की समीक्षा की थी और कमियों को दूर करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद से अस्पताल प्रबंधन इन कार्यों में सक्रिय रूप से जुट गया है।

अस्पताल के प्रबंधक धीरज चौहान ने बताया कि गुरुवार रात जिला चिकित्सालय में सफाई अभियान के तहत मुख्य पानी की टंकी की सफाई की गई। साथ ही, परिसर के अंदर और बाहर मच्छरों से बचाव के लिए फॉगिंग भी की गई। यह कार्य देर रात तक जारी रहा।

प्रबंधन के पास फॉगिंग मशीन होने के बावजूद इसका उपयोग कम होता था। हाल के दिनों में मरीजों को मच्छरों से काफी परेशानी हो रही थी, जिसके बाद प्रबंधन ने रात में फॉगिंग कराने का निर्णय लिया।

सिविल सर्जन डॉ. दर्पण टोके ने जानकारी दी कि जिला अस्पताल में मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सभी सुविधाएं पूरी की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि कुछ ही दिनों में पांच बेड का आईसीयू भी बनकर तैयार हो जाएगा, जिससे गंभीर मरीजों को बाहर रेफर करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

स्थानीय कार्यकर्ता तय करेंगे कांग्रेस प्रत्याशी: हरीश चौधरी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी पहली बार दौरे पर पहुंचे। उन्होंने दादाजी दरबार में दर्शन करने के बाद गांधी भवन में दिनभर विभिन्न बैठकों में हिस्सा लिया। इस दौरान संगठन सृजन, कार्यकर्ताओं की भूमिका और आगामी रणनीति को लेकर चर्चा हुई। समन्वय समिति की बैठक को संबोधित करते हुए हरीश चौधरी ने कहा कि अब खंडवा में कांग्रेस प्रत्याशी का फैसला दिल्ली या भोपाल से नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं की राय और संगठनात्मक सक्रियता के आधार पर होगा। उन्होंने कहा कि जो कार्यकर्ता पार्टी के लिए मेहनत करेगा और संगठन को मजबूत करेगा, उसी को प्राथमिकता दी जाएगी। चौधरी ने कहा कि पार्टी कार्यक्रमों में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं का डेटा कनेक्ट सेंटर में दर्ज किया जा रहा है। भविष्य में जिम्मेदारियां भी उन्हीं कार्यकर्ताओं को दी जाएंगी, जो सक्रिय रूप से संगठन के लिए काम करेंगे। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कांग्रेस में अब 'मैं' की राजनीति नहीं चलेगी, बल्कि 'हम' की राजनीति को बढ़ावा दिया

जाएगा। सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को समन्वय के साथ काम करना होगा। हरीश चौधरी ने बताया कि आगामी एक सप्ताह के भीतर अनुशासन समिति का गठन किया जाएगा। पार्टी में अनुशासनहीनता करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के स्पष्ट निर्देश हैं।

इंदौर जिला हैंडबॉल टीम घोषित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 48वीं राज्य स्तरीय बालक व बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता जों कि दिनांक 10से 12 मई तक जिला अशोकनगर के मुस्कान पब्लिक स्कूल मे आयोजित की जा रही है। मध्यप्रदेश हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष दीपक जैन टीनू व महासचिव हरदीप सिंह रुप्पल ने इंदौर जिला टीम घोषित की। इंदौर जिला टीम का कप्तान युवराज करोड़े, बालिका टीम का कप्तान अदिति राठौर तथा इंदौर कॉर्पोरेशन टीम का

इंदौर जिला (बालक)

1) युवराज करोड़े (कप्तान)2) शुभ चित्रे 3) वासुदेव पाटीदार4)विकाश मुनिया 5)रुद्र कुशवाह 6)समर्थ आदमने 7)मुस्तफा अली 8)चेतन पटेल9)आशुतोष यादव10)शिवम बिलवालिया 11)प्रद्युम्न सिंह राठौर 12) गोविंद तिवारी13) प्रिंस चौधरी14) आर्यन बामनिया 15) शिवम भाबोर 16)संदीप परमार 17)कृष्णा तोमर 18)सक्षम चौधरी

कोच - शुभम भगत, मैनेजर - राजू शर्मा, इंदौर जिला (बालिका)

1) अदिति राठौर (कप्तान)2) लक्ष्मी जैन 3) भव्या चौधरी 4) आराध्या मालवीय 5) धनवी लाड 6)राधारानी मिश्रा 7) यसीता जोशी 8)मनजोत कौर 9)समरप्रीत संधू10) आराध्या तोमर11) आयुषी शर्मा 12) दीक्षा

कोच - मोनिका ठाकुर, मैनेजर - कल्पना मालवीय, इंदौर कॉर्पोरेशन(बालक)

1 सावन चौहान (कप्तान) 2)दीनेश डुड्वे 3) ओमप्रकाश सोलंकी 4) नवीन परमार5) गोलू चारेल6)लोकेश गुड़िया 7)निश्चय पालियां 8)ध्रुव यादव9)अनीश आदमने 10)वेदांत मंगरोलिया 11) हंसराज झा 12) अजीत सिंह बेस 13) आदित्य जगदाले 14) विकाश कोचरे 15) कनिष्क मुकाती 16) धुवेंद्र सिंह

कोच - कमलेश चौहान , मैनेजर - साई यादव

टीम को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अमित त्रिपाठी,राजेश जोशी, कुलवंत सिंह, अशोक चौहान, जितू बोराडे, संजय दुबे, दीपेश पवार, राहुल चित्रे, मधु करोले आदि ने शुभकामनाए दी।

फिल्म 'दादी की शादी' है दिल के बेहद करीब: सादिया

मुंबई (एजेंसी) ● पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'दादी की शादी' को लेकर अभिनेत्री सादिया खतीब चर्चा में हैं। हाल ही में सादिया ने बताया कि इस फिल्म की कहानी उनके दिल को इतनी गहराई से छू गई थी कि उन्होंने इसे साइन करने में बिल्कुल भी समय नहीं लगाया। सादिया के मुताबिक, लंबे समय तक गंभीर और इंटेंस किरदार निभाने के बाद वह कुछ अलग और भावनात्मक कहानी का हिस्सा बनना चाहती थीं। सादिया खतीब ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार फिल्म की कहानी सुनी, तो उन्हें तुरंत एहसास हो गया कि यह एक खास प्रोजेक्ट है। उन्होंने कहा कि कहानी सुनने के बाद उन्हें हां करने में मुश्किल से एक मिनट लगा होगा। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने यह फिल्म अपनी पिछली रिलीज

'डिप्लोमैट' से भी पहले साइन कर ली थी। उनके अनुसार लगातार गंभीर भूमिकाएं निभाने के बाद एक कलाकार के तौर पर बदलाव जरूरी हो जाता है और 'दादी की शादी' उनके लिए वही बदलाव लेकर आई। अभिनेत्री ने कहा कि यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि परिवार और रिश्तों की भावनात्मक यात्रा है। इसमें माता-पिता, दादा-दादी और परिवार के अन्य सदस्यों के बीच के रिश्तों को बेहद खूबसूरती से दिखाया गया है।

अच्छे कलाकार बनने के लिए धैर्य मेहनत जरूरी: सई मांजरेकर

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री सई मांजरेकर का मानना है कि एक अच्छे कलाकार बनने के लिए धैर्य, मेहनत और सही प्रोजेक्ट का चुनाव बेहद जरूरी होता है। अभिनेत्री का कहना है कि वह ऐसे काम का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाए रखे। सई मांजरेकर ने हाल ही में मीडिया से अपने करियर और काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि अब उन्हें यह समझ आ गया है कि एक अभिनेत्री के रूप में खुद को समय देना बहुत जरूरी है। अभिनेत्री के मुताबिक वह मौजूदा ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखतीं, बल्कि ऐसे प्रोजेक्ट चुनना पसंद करती हैं जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ने और सीखने का अवसर दें। सई ने कहा कि जब कोई काम पूरी ईमानदारी और दिल से किया जाता है, तो उसका असर दर्शकों पर गहरा पड़ता है और लोग उसे लंबे समय तक याद रखते हैं। उनके अनुसार अभिनय केवल कैमरे के सामने आकर संवाद बोलना नहीं है, बल्कि हर किरदार को महसूस करना और उसमें सच्चाई लाना भी उतना ही जरूरी है। यही वजह है कि वह जल्दबाजी में ज्यादा प्रोजेक्ट साइन करने के बजाय सोच-समझकर काम चुनती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वह अपने हर नए प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हैं। उनके लिए यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि वह अपने काम के प्रति ईमानदार रहें और ऐसी कहानियों का हिस्सा बनें, जिनसे वह खुद भी भावनात्मक रूप से जुड़ाव महसूस करें। सई के मुताबिक लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए कलाकार का अपने काम के प्रति सच्चा होना जरूरी है।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रायल्स और गुजरात टाइटंस का मुकाबला

जयपुर (एजेंसी) ● राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को आईपीएल में यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से खेलेगी। रॉयल्स का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान पर जीत दर्ज कर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ना रहेगा। अभी तक इस सत्र में दोनो ही टीमों ने छह-छह मैच जीतकर 12 अंक हासिल किये हैं। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिससे ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। राजस्थान के पास यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं जो उसे बड़ी स्कोर तक पहुंचा सकते हैं जबकि जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज हैं। टीम के कप्तान रियान पराग भी इस मैच में जीत के साथ ही टीम को आगे ले जाना चाहेंगे। वहीं गुजरात के पास कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बेहतरीन बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में उसके पास कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा राशिद खान जैसा स्टार गेंदबाज है।

मौजूदा सीजन में यहां अब तक दो मुकाबले खेले गए हैं जो कि दोनों ही लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीते हैं। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम यहां पहले गेंदबाजी ही करना चाहेगी। ऐसे में पहले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को अपने स्कोर का बचाव करने कम से कम 220 रन बनाने होंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच कुल 9 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 3 जबकि टाइटंस ने 0 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो गुजरात की दावेदारी मजबूत नजर आती है।

उज्जैन संभाग

हर्षा रिछारिया का पहला प्रवचन, उज्जैन के पास कथा सुनने उमड़ी भीड़

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रहीं हर्षा रिछारिया ने संन्यास लेने के एक माह के भीतर ही प्रवचन की शुरुआत कर दी है। शुक्रवार को उज्जैन से करीब 22 किलोमीटर दूर लक्ष्मीपुरा गांव से उन्होंने अपने प्रवचन की शुरुआत की। यहां 108 कुंडीय यज्ञ के दौरान उन्होंने पहली बार सार्वजनिक रूप से करीब डेढ़ घंटे तक देवी शक्ति, माता सती और 52 शक्तिपीठों का महत्व बताया। भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु उनका प्रवचन सुनने पहुंचे। अपने पहले प्रवचन में हर्षा बोलीं कि हिंदी वर्णमाला में जैसे 52 शब्द होते हैं, वैसे ही शक्तिपीठ भी 52 हैं, इनसे निकले बीज मंत्र से 52 वर्णमाला बनी है।

अब संन्यास के बाद उन्होंने प्रवचन की दिशा में भी कदम बढ़ा दिए हैं। लक्ष्मीपुरा गांव में आयोजित कार्यक्रम के लिए जगह-जगह बड़े होर्डिंग लगाए गए थे, जिन पर 'देवी प्रवचन - हर्षानंद गिरी' लिखकर उनकी तस्वीरें लगाई गई थीं। दोपहर करीब एक बजे शुरू हुए प्रवचन में हर्षा ने राजा दक्ष और माता सती की कथा से शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बिना निमंत्रण कहीं नहीं जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने 52 शक्तिपीठों और हिंदी वर्णमाला के 52 अक्षरों को जोड़ते हुए धार्मिक व्याख्या भी की।

19 अप्रैल को उज्जैन स्थित मोनी आश्रम में पंचायती निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरि महाराज के सानिध्य में हर्षा ने विधिवत संन्यास ग्रहण किया था। संन्यास के बाद उन्होंने गृहस्थ जीवन त्यागकर 'स्वामी हर्षानंद गिरी' नाम अपनाया। उनके संन्यास को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा और सवाल भी उठे, लेकिन हर्षा लगातार अपने विरोधियों को जवाब देती रहीं। प्रवचन के दौरान हर्षा ने कहा कि शक्तिपीठों से बीज मंत्रों की उत्पत्ति हुई और उनसे ही वर्णमाला बनी। उन्होंने यह भी कहा कि 'पहले पूरी पृथ्वी सनातनी थी।' पहली बार इतने बड़े मंच से प्रवचन देने पहुंचीं हर्षा

बीच-बीच में लिखित नोट्स देखकर बोलती नजर आईं। बाद में उन्होंने कहा कि वे मंच पर आने से पहले काफी घबराई हुई थीं। कैमरे के सामने बोलना और हजारों लोगों के सामने बोलना अलग अनुभव है, लेकिन गुरु और माता के आशीर्वाद से वे प्रवचन कर पाईं।

बिन गुरु कृपा संभव नहीं प्रवचन के दौरान हर्षानंद गिरि ने कहा कि बिना गुरु और माता रानी की कृपा के कथा संभव नहीं है। शुक्रवार को माता रानी का विशेष दिन बताते हुए उन्होंने मातृशक्ति को प्रणाम किया और कहा कि 'आप हैं तो हम हैं।' उन्होंने कहा कि इस सृष्टि में महादेव और जगत जननी आदि शक्ति ऐसी शक्तियां हैं, जिनका न आदि है और न अंत। देवी चेतना और जागृति का स्वरूप हैं, जिनके प्राकट्य का वर्णन किसी शास्त्र में नहीं मिलता। हर्षानंद गिरि ने यह भी कहा कि देवी कथा सुनना भी माता रानी की विशेष कृपा से ही संभव होता है। हर्षानंद गिरि ने प्रवचन में कहा कि महादेव और आदिशक्ति एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं। उन्होंने समझाया कि जैसे माता-पिता दोनों का समान महत्व होता है, वैसे ही शिव और शक्ति भी कभी अलग नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि हर शिव मंदिर में भगवती और हर देवी मंदिर में महादेव विराजमान होते हैं।

बिना लाइसेंस मटन दुकान संचालन पर डेढ़ लाख का जुर्माना

दैनिक इंदौर संकेत

आगर-मालवा ● खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आरपी. वर्मा द्वारा कार्रवाई करते हुए खाद्य कारोबारी पर 1 लाख 50 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया है। दरअसल 24 फरवरी 2025 को खाद्य सुरक्षा विभाग ने लाल गड्डा क्षेत्र स्थित हुसैनी मटन शाप का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान संचालक अबरार कुरैशी निवासी छोटा तकिया कसाई मोहल्ला, आगर बिना खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन के मटन शाप संचालित करते पाया गया। दुकान पर बकरे के मटन का अवैध रूप से संग्रहण, प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा मटन का नमूना लेकर जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया। जांच में नमूना मानक स्तर का पाया गया, लेकिन बिना लाइसेंस खाद्य कारोबार संचालित करने पर प्रकरण दर्ज किया गया। मामले में न्यायालय ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम का दोषी मानते हुए आरोपी पर 1.50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारी केएल कुंभकार द्वारा की गई थी। न्यायालय के आदेशानुसार आरोपी को 15 दिन के भीतर एमपी ऑनलाइन के माध्यम से निर्धारित चालान हेड में जुर्माना राशि जमा करनी होगी। तय अवधि में राशि जमा नहीं करने पर संबंधित तहसीलदार के माध्यम से वसूली एवं कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही राशि जमा होने तक संबंधित खाद्य अनुज्ञप्ति एवं पंजीयन निलंबित रहेगा।

सोलर टैंकर से मिलेगा शुद्ध-ठंडा पानी, सिंहस्थ में बिना बिजली चलेगा पूरा सिस्टम

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● एक नई तकनीक के तहत सोलर ऊर्जा से संचालित पानी का टैंकर तैयार किया गया है। लगभग 4 लाख रुपए की लागत से बने इस टैंकर में 565 वॉट का सोलर पैनल लगा है, जो बिना किसी बाहरी बिजली के आरओ प्लांट और चिलर सिस्टम को चलाता है। इससे लोगों को शुद्ध और ठंडा पानी मिलता है। यह सिस्टम सूरज की रोशनी से ऊर्जा प्राप्त करता है। सोलर पैनल पर धूप पड़ते ही पानी के शुद्धिकरण और ठंडा करने की प्रक्रिया स्वतः शुरू हो जाती है, जिससे टैंकर में आने वाला पानी साफ और ठंडा होकर उपलब्ध होता है।

यह सोलर टैंकर विशेष रूप से उन स्थानों के लिए उपयोगी है, जहां बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होते हैं, जैसे सार्वजनिक कार्यक्रम, मेले या धार्मिक आयोजन। गर्मी के मौसम में ऐसे आयोजनों में शुद्ध और ठंडा पानी उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती होती है, जिसे यह तकनीक हल कर सकती है।

वर्तमान में इस सिस्टम की टेस्टिंग उज्जैन के कोठी रोड स्थित एमपी स्टेट एग्रो उज्जैन कार्यालय के सामने की जा रही है। यहां प्रशासनिक कार्यालयों और न्यायालय जाने वाले कर्मचारी व आम नागरिक इसका लाभ उठा रहे हैं। इस सड़क पर फिलहाल कोई अन्य प्याऊ उपलब्ध नहीं है।

इससे पहले, इस सोलर टैंकर का सफल उपयोग कृषि मेलों में भी किया गया था, जहां किसानों ने इसका भरपूर फायदा उठाया। एमपी एग्रो उज्जैन संभाग के क्षेत्रीय प्रबंधक पवन परमार ने बताया कि यह तकनीक आगामी बड़े आयोजनों, जैसे सिंहस्थ कुंभ या अन्य विशाल धार्मिक मेलों में बेहद कारगर साबित हो सकती है। इससे बिना बिजली पर निर्भर हुए लाखों लोगों को शुद्ध और ठंडा पानी उपलब्ध कराया जा सकेगा।

कलेक्टर ने जिले में नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगाया, बिना परमिशन बोरिंग करने पर मशीन जब्त कर एफआईआर दर्ज होगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● गर्मी के मौसम में पानी की समस्या से निजात पाने के लिए लोग नलकूप खनन (बोरिंग) का कार्य करवा रहे हैं। शुक्रवार से इस पर रोक लगा दी गई है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने गर्मी में भू जल स्तर में गिरावट को दृष्टिगत रखते हुए पूरे जिले में अशासकीय एवं निजी नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगाया है। आदेशानुसार जिले की सीमा में नलकूप / बोरिंग मशीन संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अनुमति के बिना प्रवेश नहीं करेंगी और बिना अनुमति के कोई नया नलकूप खनन नहीं करेगी। बिना अनुमति अवैध रूप से जिले में प्रतिबंधात्मक स्थान पर प्रवेश करने पर मशीन जब्त कर एफआईआर दर्ज की जाएगी। निजी नलकूप एवं अन्य निजी जलस्रोतों का आवश्यकता होने पर सार्वजनिक पेयजल व्यवस्था के लिए अधिग्रहण किया जा सकेगा। उक्त आदेश के उल्लंघन करने पर प्रथम अपराध के लिए पांच हजार रुपए का जुर्माना और बाद में प्रत्येक अपराध के लिए दस हजार रुपए से या कारावास से दंडनीय होगा। उक्त आदेश शासकीय योजनाओं के अंतर्गत किए जाने वाले नलकूप उत्खनन पर लागू नहीं होगा।

चिंतामण बायपास का विरोध तेज, रेलवे के नए सर्वे पर भड़के ग्रामीण

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● रेलवे की प्रस्तावित चिंतामण बायपास योजना को लेकर किसानों, ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों का विरोध तेज हो गया है। शुक्रवार को मंगरोला रोड पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान वैदिक गुरुकुल के बटुक भी विरोध में शामिल हुए। प्रदर्शन कर रहे किसानों का आरोप है कि रेलवे विभाग पहले ही सर्वे और नक्शे की प्रक्रिया पूरी कर चुका था, जिसमें किसानों की जमीनें चिन्हित की गई थीं। इसके बावजूद अब दोबारा सर्वे के नाम पर क्षेत्र में खंभे लगाए जा रहे हैं और भूमि का चिन्हांकन किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित बायपास से मंगरोला सहित आसपास के कई गांव प्रभावित होंगे। किसानों के मुताबिक अकेले मंगरोला गांव के करीब 38 किसान सीधे तौर पर इस परियोजना की जद में आ रहे हैं। वहीं गांव की लगभग 40 से 50 बीघा जमीन प्रभावित होने का अनुमान है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इस योजना से स्कूल, वेद आश्रम, चिंतामण मार्ग को जोड़ने वाली मुख्य सड़क, बाग-बगीचे और कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी प्रभावित होंगे। किसानों ने रेलवे को सुझाव देते हुए कहा कि शिप्रा केबिन क्षेत्र की ओर से कम दूरी और कम लागत वाला वैकल्पिक अंडरपास मार्ग बनाया जा सकता है।

पातालपानी, चोरल डेम पर ही सुरक्षा व्यवस्था बाकी पर ध्यान नहीं देता है विभाग

भगवान भरोसे छोड़े पर्यटन स्थल

न तो सुरक्षित पहुंच मार्ग न ही किसी तरह की स्थायी सुरक्षा व्यवस्था

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

महू/इंदौर ● तहसील महू में पर्यटन विभाग ने केवल दो स्थानों पातालपानी और चोरल डेम को ही अधिकृत पर्यटन स्थल का दर्जा दिया है। जबकि तिछा फाल, बोरल फाल, शीतला माता फाल, मेहंदी कुंड, जामन्या कुंड, मोहाडी फाल, रतबी वाटरफाल, लोथिया कुंड, जामगेट, बामनिया कुंड, वांचू प्वाइंट, कालाकुंड जैसे दर्जनों प्राकृतिक स्थल विभागीय दायरे से बाहर हैं। ये सभी वन क्षेत्र में स्थित है, जहां हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं, लेकिन सुरक्षा के नाम पर हाल बदहाल हैं। जबकि रविवार को इन पर्यटक स्थलों पर भारी संख्या में सैलानियों की भीड़ उमड़ती है। बावजूद जिम्मेदार इस तरफ ध्यान नहीं देते हैं। बता दें कि आए दिन हादसों को निमंत्रण देने वाले यही पर्यटक स्थल महू तहसील में मौजूद हैं। जानकारी के मुताबिक, पर्यटन स्थलों पर न तो सुरक्षित पहुंच मार्ग है और न ही किसी तरह की स्थायी सुरक्षा व्यवस्था। जंगल क्षेत्र होने के कारण यहां पहुंचना ही जोखिम भरा है। बावजूद इसके, झरनों और कुंडों में नहाने के दौरान हादसे लगातार हो रहे हैं। इसी वर्ष बामनिया कुंड और मेहंदी कुंड में तीन युवकों की डूबने से मौत हो चुकी है। पिछले साल बढ़ते हादसों को देखते हुए तत्कालीन कलेक्टर आशीष सिंह ने एकांत क्षेत्रों में जाने पर प्रतिबंध लगाया था, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका प्रभाव सीमित ही नजर आता है।

पिछले वर्ष की थी व्यवस्था

वहां के दौरान हादसों से बचाव के लिए प्रशासन ने कुछ अस्थायी इंतजाम जरूर किए थे। एसडीएम राकेश परमार द्वारा बैठक लेकर पर्यटन स्थलों के आसपास के गायों में पंचायत भवन और शासकीय स्कूलों में रस्सी ट्यूब टाई जैसे सुरक्षा उपकरण रखवाए गए थे। अवकाश के दिनों में एसडीआरएफ टीम की तैनाती भी की गई थी, ताकि आपात स्थिति में तत्काल मदद मिल सके। साथ ही स्थानीय गाय के गोताखोरों को चिन्हित कर उनके नाम नंबर की भी सूची बनाई गई थी। हालांकि यह व्यवस्था केदत मानसून तक ही थी। लेकिन अब आगामी महीने बाद मानसून फिर दस्तक देने वाला है। इसके बाद पर्यटक स्थलों पर भीड़ उमड़ेगी। जिसके चलते प्रशासन को फिर से सतेत सहना पड़ेगा।

यह उपाय जरूरी..?

अबंधित पर्यटन स्थलों तक जाने वाले मागों को नियंत्रित करना होगा। तिछा फाल, पमनिया वुड, मेहंदी कुंज, मोहाडी फाल और शीतला माता फाल जैसे लोकप्रिय स्थलों पर चेतावनी बोर्ड, हेल्पलाइन नंबर और स्थानीय स्तर पर चौकीदार की व्यवस्था जरूरी है। वहीं स्थानीय लोगों को भी इस संबंध में जागरूक करना जरूरी है कि बहरी बयक्ति को जओखिम भरे क्षेत्र में जाने से रोका जाए। अत्यधिक वर्ष के दौरान आकजही रोकने के लिए मार्ग बंद करना और नियम तोड़ने वालों पर सरात कार्रवाई करना भी आवश्यक है।

जहां दर्जा, वहां व्यवस्था..

चोरल डेम और पातालपानी जैसे अधिकृत स्थलों पर स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है। चोरल डेम स्थित रिसोर्ट में बोटिंग के दौरान लाइफ जैकेट अनिवार्य है और कर्मचारियों की मौजूदगी रहती है। वहीं पातालपानी में वाकिंग ट्रैक, रेलिंग और चौकीदार की व्यवस्था है, साथ ही अवकाश के दिनों में पुलिस बल भी तैनात किया जाता है। लेकिन इसके बावजूद पर्यटक जंगल के रास्तों से खतरनाक क्षेत्रों तक पहुंच जाते हैं, जिससे जोखिम बना रहता है। तहसील में प्राकृतिक पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था उसी अनुपात में विकसित नहीं हो पाई है। अधिकृत और अनाधिकृत स्थलों के बीच स्पष्ट असमानता दिखती है, जहां ज्यादातर हादसे उन्हीं स्थानों पर हो रहे हैं जो एकांत व जंगली क्षेत्र में हैं।

हाईवे से मिले 566 गड्डियों में से केवल 84 नोट ही निकले असली

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश के इंदौर में गुरुवार (7 मई) को लावारिस हालत में मिले तीन संदिग्ध बैगों से 500 रुपये के नोट जैसे आकार वाली 566 गड्डियां बरामद की गईं और जांच के दौरान इनमें से केवल 84 नोट असली पाए गए। पुलिस को मामले की सूचना मिलते ही, उन्होंने तीनों बैग जब्त कर लिए।

बैग में 500 के नोट के आकार की मिलीं 566 गड्डियां–सूचना के मुताबिक सांवेर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की नजर खेत में रखे तीन संदिग्ध बैगों पर पड़ी, मगर काफी देर तक कोई बैग लेने नहीं आया तो, उसने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। उसने बताया कि इंदौर-उज्जैन राजमार्ग पर उसके खेत के पास तीन संदिग्ध बैग पड़े हैं।

मौके पर पहुंची पुलिस ने बैग खोले, तो उनमें कुल 566 गड्डियां मिलीं जो 500 रुपये के नोट के आकार की थीं। इनमें से अधिकांश गड्डियों में ऊपर और नीचे 500-500 रुपये के नोट लगे थे, जबकि बीच में सादा कागज रखा गया था।

566 गड्डियों में 500 रुपये के कुल 84 असली नोट–विज्ञप्ति के मुताबिक 133 गड्डियां ऐसी थीं जिनमें केवल सादा कागज था, लेकिन उनके किनारों पर 500 रुपये के नोट जैसा रंग लगाया गया था. जांच के दौरान 566 गड्डियों में 500 रुपये के कुल 84 असली नोट मिले जिनकी कुल कीमत 42,000 रुपये है। सांवेर पुलिस ने मामला सामने आते ही पूरे क्षेत्र में घेराबंदी कर दी है और जांच कर रही है। पुलिस को संदेह है कि ये गड्डियां किसी धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए तैयार की गई थीं। ग्रामीण एडिशनल एसपी रूपेश कुमार द्विवेदी ने बताया है कि पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। साथी ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह बैग कब और किसने रखे हैं और किस चीज को अंजाम देने की कोशिश की जा रही थी।

एयरपोर्ट डायरेक्टर की शिकायत का मामला

टीम ने बंद कमरे के बजाय कॉन्फ्रेंस हॉल में लिए बयान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट के डायरेक्टर सुनील मग्गीरवार के खिलाफ हुई शिकायत का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। शिकायत के आधार पर एएआई की टीम ने इंदौर पहुंचकर जांच तो की, लेकिन अब जांच प्रक्रिया पर भी सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि मुख्यालय से आई टीम ने बंद कमरे के बजाय कॉन्फ्रेंस हॉल में ही बयान लिए हैं।

जानकारी के मुताबिक हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज रायजादा के नाम से भेजी गई शिकायत 17 अप्रैल को पीएमओ से एएआई को अग्रेषित की गई थी। इसके बाद सोमवार को जीएम सिविल प्रभु सरकार और अशोक चेट्टीयार सहित दो अधिकारियों की टीम इंदौर एयरपोर्ट पहुंची। टीम ने दस्तावेजों की जांच के साथ अधिकारियों और कर्मचारियों के बयान भी दर्ज किए। शिकायत में एयरपोर्ट डायरेक्टर पर अधिकारियों और कर्मचारियों से अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज, ट्रांसफर की धमकी देने, पद के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि बैठकों में अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया जाता था।

जांच पर ही उठ गए सवाल

वहीं अब जांच की पारदर्शिता और गोपनीयता को लेकर भी कर्मचारियों ने सवाल उठाए हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि जांच अधिकारियों ने बयान वन-टू-वनलेने के बजाय कॉन्फ्रेंस हॉल में सामूहिक रूप से दर्ज किए। इतना ही नहीं, जिस दौरान कर्मचारियों और अधिकारियों के बयान लिए जा रहे थे, उस समय एयरपोर्ट डायरेक्टर सुनील मग्गीरवार भी वहां मौजूद थे। कर्मचारियों का कहना है कि इससे गोपनीयता प्रभावित हुई है।

कांग्रेस के किसान आंदोलन में नेशनल हाईवे चक्काजाम पर इंदौर में 33 नेताओं पर हुई एफआईआर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर समेत पूरे मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने किसानों के समर्थन में एक बड़ा आंदोलन (नेशनल हाईवे जाम) किया था। इस आंदोलन में मुख्य रूप से नेशनल हाईवे को जाम किया गया। इंदौर के पिगडंबर राऊ इलाके में यह आंदोलन हुआ, जिससे सुबह से दोपहर तक पूरा नेशनल हाईवे 3 (एबी रोड) जाम रहा। अब पुलिस ने इस मामले में किशनगंज थाने में 33 नेताओं पर केस दर्ज किया है।

इसमें इंदौर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े, जिला किसान कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू ठाकुर, झाबुआ विधायक विक्रांत भूरिया, पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी, शहराध्यक्ष चिंटू चौकसे, पार्षद राजू भदौरिया, पूर्व जिलाध्यक्ष सदाशिव यादव, पूर्व सचिव कांग्रेस कमेटी शक्ति सिंह गोयल, युवा कांग्रेस अध्यक्ष गजेंद्र राठौर, विजय बिलोनिया, बैकुंठ पटेल, अजय धनावद, पप्पू खान, ओम पटेल, शुभम दरबार, सोहन सिंह ठाकुर, अजय रघुवंशी, दीपक डांडोरी, विजेंद्र सिंह चौहान, भंवरसिंह शेखावत, अशोक सैनी, दौलत पटेल, मोती सिंह पटेल, कैलाश पाण्डेय, पूनमचंद पाण्डेय, सुरेश जिराती, विष्णु मालवीय, योगेश बीना, सुभाष ठाकुर, सोराब पटेल, मनोहर सारदिया और कान्हा गोयल सहित अन्य कांग्रेसी नेताओं के नाम शामिल हैं।

इन धाराओं में हुआ केस–इन नेताओं पर बीएनएस की धारा 126(2), 285, 3(5) और राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 की धारा 8बी के तहत केस दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम की धारा 8बी में पांच साल तक की सजा का प्रावधान है, जो कि काफी कठोर है, जबकि बाकी धाराओं में एक महीने तक की सजा और पांच हजार रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

सोशल मीडिया पर फौज खड़ी करने में फिसड्डी साबित हो रहे हैं अनेक जिलाध्यक्ष

तोमर-शिवराज के जिलों में बुरे हाल; फेसबुक फॉलोअर्स में धार के निलेश टॉप पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश भाजपा जहां एक ओर 'डिजिटल बूथ' और 'सोशल मीडिया वॉरियर्स' की फौज खड़ी करने का दावा कर रही है, वहीं संगठन की कमान संभालने वाले जिला अध्यक्ष इस रेस में फिसड्डी साबित हो रहे हैं। प्रदेश भर में बीजेपी के 23 जिला अध्यक्ष तो ऐसे हैं जिनके एक्स (ट्विटर) पर 50 फॉलोअर भी नहीं हैं।

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के गृह जिले मुरैना के भाजपा जिला अध्यक्ष कमलेश कुशवाह की हालत सबसे ज्यादा खराब है। मुरैना जिलाध्यक्ष के एक्स पर मात्र 3 फॉलोअर हैं। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के संसदीय क्षेत्र विदिशा के भाजपा जिला अध्यक्ष महाराज सिंह दांगी के एक्स पर महज 8 फॉलोअर हैं।

पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के क्षेत्र दतिया जिला अध्यक्ष रघुवीर शरण कुशवाह के एक्स पर मात्र 13 फॉलोअर हैं। यही नहीं ग्वालियर शहर अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया के मात्र 25 फॉलोअर हैं।

सीएम के गृह जिले के अध्यक्ष फेसबुक फॉलोअर्स में सबसे पीछे–फेसबुक पर सबसे कम फॉलोअर वाले अध्यक्षों में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन के शहर अध्यक्ष संजय अग्रवाल हैं। संजय के फेसबुक पर मात्र 13 सौ फॉलोअर हैं। दूसरे नंबर पर आलीराजपुर के जिला अध्यक्ष संतोष मकू परवाल के 44 सौ, फॉलोअर हैं।

50 से कम फॉलोअर्स वाले प्रमुख जिलाध्यक्ष

- *मुरैना (कमलेश कुशवाह): मात्र 3 फॉलोअर्स*
- *विदिशा (महाराज सिंह दांगी): मात्र 8 फॉलोअर्स*
- *दतिया (रघुवीर शरण कुशवाह): मात्र 13 फॉलोअर्स*
- *शिवपुरी (जसमंत जाटव): मात्र 13 फॉलोअर्स*
- *निवाड़ी (राजेश पटेरिया): मात्र 20 फॉलोअर्स*

हेलमेट पर दंगल : दो पुलिसकर्मी सस्पेंड, टीआई को हटाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शुक्रवार दोपहर इंदौर के महूनाका चौराहे पर उस वक्त स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब हेलमेट चेकिंग के दौरान भाजपा के विधानसभा-4 प्रभारी वीरेंद्र शेडगे और ट्रैफिक पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई।

दरअसल इस घटना के बाद बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और जमकर हंगामा किया, जिससे चौराहे पर चक्काजाम की स्थिति बन गई। विवाद बढ़ने पर दो ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया और ट्रैफिक टीआई को फील्ड ड्यूटी से हटाकर कार्यालय में अटैच कर दिया गया।

दरअसल वीरेंद्र शेडगे ने पुलिसकर्मियों पर अभद्रता और मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि उन्हें सिग्नल के पास रोका गया और चांटा मार दिया गया। शेडगे ने इस घटना का कड़ा विरोध करते हुए वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा कार्यकर्ता तुरंत महूनाका चौराहे पर जमा हो गए और संबंधित महिला टीआई सहित अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे।

वहीं यातायात पुलिस ने स्थिति को बिगड़ते देख त्वरित कार्रवाई की। दरअसल एसीपी शिवेंदु जोशी ने बताया कि ट्रैफिक पुलिसकर्मियों कॉन्स्टेबल शेखर और सूबेदार लक्ष्मी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही ट्रैफिक टीआई राधा यादव को कार्यालय में अटैच कर दिया गया है। एसीपी शिवेंदु जोशी ने यह भी बताया कि घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और फुटेज सामने आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महूनाका चौराहे पर चक्काजाम किया

दरअसल विरोध प्रदर्शन इतना बढ़ गया कि कार्यकर्ताओं ने महूनाका चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करने से इलाके में यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात करना पड़ा। पुलिस अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन देर तक तनाव का माहौल बना रहा।

जानकारी के अनुसार, वीरेंद्र शेडगे तरण पुष्कर का काम देखते हैं और विधानसभा-4 के प्रभारी के तौर पर भी कार्यरत हैं। शुक्रवार दोपहर वे अपने दोपहिया वाहन से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान महूनाका चौराहे पर टीआई राधा यादव, श्रद्धा और लक्ष्मी धुर्वे हेलमेट चेकिंग अभियान चला रही थीं। बताया जा रहा है कि चेकिंग के दौरान एक पुलिसकर्मी अचानक वीरेंद्र शेडगे के सामने आ गया और हाथ देकर उनकी बाइक रोकने का प्रयास किया। शेडगे का आरोप है कि जब बाइक नहीं रुकी, तो पुलिसकर्मी ने चलती गाड़ी पर हाथ उठा दिया, जिसके बाद विवाद ने गंभीर रूप ले लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।